मुंबई, जबलपुर, कटनी, मंडला, भोपाल, इंदौर, रायपुर, दिल्ली, नरसिंहपुर, सिवनी से एक साथ प्रकाशित

yashbharat.co.in

नये जमाने के साथ..

यश भारत

● वर्ष-2 अंक-169 ● मुंबई ● गुरुवार, 5 नवम्बर, 2026 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ●कार्तिक कृष्ण पक्ष 11● विक्रम संवत् 2083

आत्म-नियंत्रण जीवन की असली शक्ति है। इसे मजबूत बनाना रोज़ का काम है।



अग्निवीरों को दो साल का सेवा विस्तार
अब 6 साल तक कर सकेंगे नौकरी

25 प्रतिशत को नियमित सैनिक बनाने का नियम बरकरार ,शेष 75 प्रतिशत को भी अतिरिक्त मौका

नई दिल्ली। यशभारत। अग्निपथ योजना के तहत सेना में भर्ती होने वाले अग्निवीरों के लिए बड़ी राहत की घोषणा की गई है। अब अग्निवीर चार साल के बजाय छह साल तक सेना में सेवाएं दे सकेंगे। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने बुधवार को दो साल का अतिरिक्त सेवा विस्तार देने का ऐलान किया। इस फैसले से उन 75 प्रतिशत अग्निवीरों को फायदा मिलने की उम्मीद है, जिन्हें चार साल की सेवा पूरी होने के बाद सेना से बाहर होना पड़ता था। हालांकि, अतिरिक्त दो साल की सेवा का लाभ अग्निवीरों की सहमति और निर्धारित शर्तों के आधार पर मिलेगा।

नई व्यवस्था में अग्निपथ योजना के मूल प्रावधान को बरकरार रखा गया है। इसके तहत प्रत्येक बैच के 25 प्रतिशत अग्निवीरों को चार साल की सेवा पूरी होने के बाद योग्यता और प्रदर्शन के आधार पर नियमित सैनिक के रूप में शामिल किया जाएगा। वहीं, शेष 75 प्रतिशत अग्निवीरों को दो साल का अतिरिक्त सेवा अवसर मिलेगा। इस अवधि में उन्हें बढ़ा हुआ वेतन और निर्धारित भत्ते भी दिए जाएंगे। छह साल की सेवा पूरी होने के बाद भी सेना में स्थायी नौकरी पाने के इच्छुक अग्निवीरों को चयन प्रक्रिया से गुजरना होगा। उनका चयन मेरिट, कार्यक्षमता और सेवा के दौरान प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा। दरअसल, अग्निपथ योजना के तहत भर्ती किए गए पहले बैच का चार साल का कार्यकाल दिसंबर 2026 तक पूरा होने जा रहा है। आंकड़ों के मुताबिक, 31 दिसंबर तक पहले बैच के करीब 18,300 अग्निवीरों की सेवा अवधि समाप्त होनी थी। यह संख्या पहले बैच में भर्ती हुए कुल 24,400 अग्निवीरों का लगभग 75 प्रतिशत है।






अमेरिकी मध्यावधि चुनाव में ट्रंप को बड़ा झटका
दोनों सदनों में डेमोक्रेट्स का कब्जा
डेमोक्रेटिक पार्टी को बहुमत, पिछले 21 में से 19 चुनावों में राष्ट्रपति की पार्टी हारी

मिशिगन से अब्दुल अल-सैयद बने अमेरिका के पहले मुस्लिम सीनेटर

वॉशिंगटन डीसी। यशभारत। अमेरिका के मिडटर्म चुनाव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उनकी रिपब्लिकन पार्टी को करारा झटका लगा है। डेमोक्रेटिक पार्टी ने अमेरिकी संसद के दोनों सदनों सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में बहुमत हासिल कर लिया है। चुनाव नतीजों को ट्रम्प की नीतियों और उनके राजनीतिक नेतृत्व के खिलाफ बड़े जनादेश के रूप में देखा जा रहा है। इस जीत के साथ विपक्षी डेमोक्रेट्स को संसद में ट्रम्प सरकार की नीतियों पर अंकुश लगाने और उसके फैसलों को चुनौती देने का मजबूत अवसर मिलेगा।

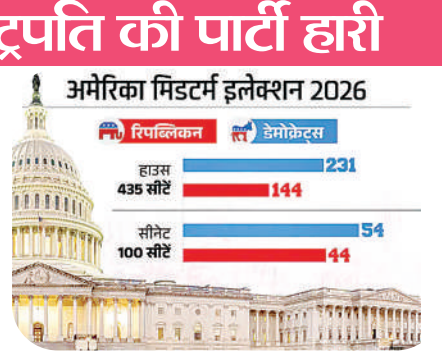
इस चुनाव का सबसे चर्चित परिणाम मिशिगन से सामने आया है, जहां डेमोक्रेटिक उम्मीदवार अब्दुल अल-सैयद ने जीत दर्ज कर इतिहास रच दिया। वह अमेरिकी इतिहास में सीनेटर चुने जाने वाले पहले मुस्लिम बन गए हैं। उनकी जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि चुनाव प्रचार के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उन पर तीखे व्यक्तिगत हमले किए थे। ट्रम्प ने सार्वजनिक मंच से उन्हें जिहादी तक कह दिया था और उन पर आतंकियों का समर्थन करने के आरोप लगाए थे। 25 अक्टूबर को मिशिगन में आयोजित चुनावी रैली में ट्रम्प ने कहा था कि वह एक जिहादी और मुस्लिम ब्रदरहुड के सदस्य को अमेरिकी सीनेटर बनने से रोकने आए हैं।

हाउस में डेमोक्रेट्स को स्पष्ट बहुमत

अमेरिकी संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स की सभी 435 सीटों पर चुनाव हुए। इनमें डेमोक्रेटिक पार्टी ने 231 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत हासिल किया, जबकि रिपब्लिकन पार्टी को 144 सीटें मिलीं। इस सदन में बहुमत के लिए 218 सीटों की आवश्यकता होती है। डेमोक्रेट्स की जीत का अंतर बताता है कि पार्टी को मजबूत समर्थन मिला है।

सीनेट में भी बदला सत्ता का समीकरण

सीनेट की 100 सीटों में से इस बार 35 सीटों पर चुनाव हुए।



उपलब्ध नतीजों के मुताबिक, डेमोक्रेटिक पार्टी ने 20 और रिपब्लिकन पार्टी ने 13 सीटों पर जीत दर्ज की है। दो सीटों पर मतगणना जारी थी। इन नतीजों के बाद सीनेट में डेमोक्रेट्स की संख्या बढ़कर 54 हो गई, जबकि रिपब्लिकन के पास 44 सीटें बताई गईं। सीनेट में बहुमत के लिए 51 सीटों की जरूरत होती है।

गवर्नर चुनाव में भी डेमोक्रेट्स आगे

गवर्नर पदों के चुनाव में भी डेमोक्रेट्स ने बढ़त बनाई है। कुल 36 राज्यों में गवर्नर पद के लिए मतदान हुआ था। इनमें से 34 राज्यों के नतीजे सामने आ चुके हैं। डेमोक्रेटिक उम्मीदवारों ने 22 और रिपब्लिकन उम्मीदवारों ने 12 राज्यों में जीत दर्ज की, जबकि दो राज्यों में मतगणना जारी थी।

भारतीय मूल के उम्मीदवारों ने भी लहराया परचम

मध्यावधि चुनाव में भारतीय मूल के उम्मीदवारों ने भी अपनी राजनीतिक ताकत दिखाई। फ्लोरिडा के 22वें कांग्रेसनल जिले से डेमोक्रेटिक उम्मीदवार पिया डांडिया ने जीत हासिल कर प्रतिनिधि सभा में जगह बनाई। वहीं वर्जीनिया के 10वें कांग्रेसनल जिले से सुहास सुब्रमण्यम दोबारा निर्वाचित हुए। इन सफलताओं को अमेरिकी राजनीति में भारतीय मूल के समुदाय की बढ़ती भागीदारी और प्रभाव के तौर पर देखा जा रहा है।

ट्रम्प विरोधी देशों के नेताओं ने किया स्वागत

डेमोक्रेट्स की जीत का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी असर दिखाई दिया। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने नतीजों का स्वागत करते हुए कहा कि अमेरिकी मतदाताओं ने नफरत, जलवायु परिवर्तन से इनकार और अमीर-ताकतवर लोगों के दबदबे के खिलाफ मतदान किया है। नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गार स्टोर ने भी इसे सकारात्मक संकेत बताया। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने कहा कि इन नतीजों से दुनिया के देशों के रिश्तों में नए दौर की शुरुआत हो सकती है।

दो से ज्यादा बच्चे करने पर कानूनी पाबंदी सही नहीं-सुको
आने वाले समय में बुजुर्गों की आबादी बढ़ेगी और कामकाजी लोगों का अनुपात घटेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि दो से ज्यादा बच्चे होने पर चुनाव लड़ने से रोकने वाले कानून अब प्रासंगिक नहीं रह गए हैं। कोर्ट के मुताबिक, भारत की प्रजनन दर 2003 में 3 थी, जो अब घटकर 1.9 रह गई है। कोर्ट ने कहा कि आने वाले समय में बुजुर्गों की आबादी बढ़ेगी और कामकाजी लोगों का अनुपात घटेगा। अगर इन बदलावों पर ध्यान नहीं दिया गया तो देश को गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने इस मामले में 2003 के अपने फैसले को बड़ी बेंच के पास भेज दिया, जिसमें कोर्ट ने हरियाणा के दो बच्चों वाले नियम को सही ठहराया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र की पूर्व सरपंच मंगला भीमराव की अयोग्यता भी रद्द कर दी। उन्हें तीसरे बच्चे के जन्म के कारण पद से अयोग्य ठहराया गया था।

कोर्ट बोला- बढ़ती आबादी का डर अब कानूनों का आधार नहीं - जस्टिस नरसिम्हा ने फैसला सुनाते हुए कहा- हमारी स्पष्ट राय है कि दो से ज्यादा बच्चे होने पर सजा देने वाले कानून अब अपनी प्रासंगिकता खो चुके हैं।

ध्यान नहीं दिया गया तो देश को गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं

इन कानूनों का आधार बढ़ती आबादी का डर था। पिछले कुछ दशकों में जनसंख्या से जुड़े बदलावों के कारण यह आधार खत्म हो गया है।कोर्ट ने बताया कि 2.1 की प्रजनन दर को रिप्लेसमेंट रेट माना जाता है। इस दर पर एक पीढ़ी अपनी जगह अगली पीढ़ी को ले सकती है। कोर्ट ने कहा कि जनसंख्या वृद्धि को रोकने के लिए बनाए गए कानूनों की अब समीक्षा जरूरी है।दो बच्चों की शर्त से राजनीतिक अधिकारों से वंचित करना गलत- कोर्ट ने 2003 के फैसले में दो बच्चों की शर्त को सही ठहराने के लिए इस्तेमाल किए गए तर्कों पर भी चिंता जताई। कोर्ट ने कहा कि ऐसे कानूनों के जारी रहने से नागरिकों का एक पूरा वर्ग राजनीतिक प्रतिनिधित्व से बाहर हो जाता है।कोर्ट के मुताबिक, किसी व्यक्ति के बच्चों की संख्या का उसके सार्वजनिक पद संभालने की क्षमता से कोई खास संबंध नहीं है। ऐसे कानून लोगों को बच्चे पैदा करने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हिस्सा लेने के बीच एक विकल्प चुनने के लिए मजबूर करते हैं। यह संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मिले प्रजनन स्वायत्तता के अधिकार का उल्लंघन है।



पूर्व सरपंच के खिलाफ शिकायत के बाद शुरू हुई थी कार्रवाई

मंगला भीमराव महाराष्ट्र के काकोड़ा ग्राम पंचायत की पूर्व सरपंच थी। उन्हें महाराष्ट्र ग्राम पंचायत अधिनियम, 1959 की धारा 14(1)(j-1) के तहत अयोग्य ठहराया गया था। इस कानून में 13 सितंबर 2000 से दो से ज्यादा बच्चे होने पर चुनाव लड़ने की अयोग्यता का प्रावधान लागू हुआ था। मंगला के खिलाफ अतिरिक्त कलेक्टर के सामने शिकायत की गई थी। इसके बाद उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया। उन्होंने अतिरिक्त आयुक्त के पास अपील की, लेकिन वहां से भी राहत नहीं मिली। इसके बाद उन्होंने बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका लगाई। 5 अगस्त 2025 को हाईकोर्ट ने उनकी अयोग्यता बरकरार रखी। कोर्ट ने कहा था कि तीसरे बच्चे के जन्म प्रमाणपत्र में माता-पिता दोनों के नाम दर्ज हैं और इसके उलट कोई सबूत नहीं है।

मोदी का पवार को फोन, स्वास्थ्य का जाना हाल

मुबइ, यश भारत। प्रधानमत्रां नरेद्र मोदी ने बुधवार सुबह राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार को फोन कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद प्रधानमंत्री ने उनसे बातचीत की और जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हुए पूरी तरह आराम करने की सलाह दी।

गौरतलब है कि 86 वर्षीय शरद पवार को खांसी और सीने में दर्द की शिकायत के बाद पुणे के रूबी हॉल क्लिनिक में भर्ती कराया गया था। स्वास्थ्य में सुधार के बाद बुधवार को उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गईपवार के

सुप्रिया और हम संभालेंगे देश आप मार्गदर्शन दीजिए : प्रधानमंत्री




करीबी विठ्ठल मणियार के मुताबिक, प्रधानमंत्री मोदी ने बातचीत के दौरान शरद पवार से कहा कि वे अपने दौरे और यात्राएं कम करें तथा खानपान पर ध्यान देते हुए पर्याप्त आराम करें। इस दौरान मोदी ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, 'शरदराव, आप अपनी सेहत का ध्यान रखिए। सुप्रिया ताई और हम सभी मिलकर देश संभाल लेंगे। आप बस हमें मार्गदर्शन देते रहिए।' प्रधानमंत्री की इस आत्मीय बातचीत पर शरद पवार ने आभार व्यक्त किया। फिलहाल उनकी तबीयत स्थिर बताई जा रही है। अस्पताल से छुट्टी के बाद वे मुंबई स्थित अपने आवास पर कुछ दिन आराम करेंगे।

सिवनी के छोटे गांव से लाल किले तक पहुंचा पत्रकार सलीम का सफर
डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम रत्न पुरस्कार से हुए सम्मानित

नई दिल्ली , यश भारत । मध्य प्रदेश के सिवनी जिले के एक छोटे से गांव गोपालगंज से शुरू हुआ संघर्ष और मेहनत का सफर आज दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले तक पहुंच गया है। गांव की गलियों में साइकिल से अखबार बेचने वाले सलीम रेहमान को डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उनकी इस उपलब्धि ने न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे सिवनी जिले और मध्य प्रदेश को गौरवान्वित किया है। सलीम रेहमान की कहानी किसी बड़े शहर की सुविधाओं या संसाधनों से शुरू नहीं हुई। उनका ताल्लुक सिवनी जिले के छोटे से गांव गोपालगंज से है। शुरुआती दिनों में उन्होंने साइकिल पर घूम-घूमकर अखबार बेचने का काम किया। इसी दौरान समाचारों और पत्रकारिता के प्रति उनकी रुचि बढ़ी और उन्होंने धीरे-धीरे लिखना शुरू किया। यहीं से उनके पत्रकारिता के सफर की नींव पड़ी। सीमित संसाधनों के बावजूद आगे बढ़ने का उनका जुनून उन्हें एक शहर से दूसरे शहर और फिर देश की सीमाओं के पार ले गया। सलीम ने अपने पत्रकारिता करियर में सिवनी से शुरुआत की और फिर नागपुर तथा मुंबई में अपनी पहचान बनाई। इसके बाद उनका सफर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) तक पहुंचा, जहां वे वर्तमान में पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय हैं। मुंबई और दुबई में भी उन्हें कई पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है।



राजस्थान में ट्रेन उड़ाने की साजिश!
पैसेंजर ट्रेन गुजरने के 45 मिनट बाद रेलवे ट्रैक पर भीषण धमाका

अनूपगढ़ (श्रीगंगानगर)। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के नजदीक मंगलवार रात रेलवे ट्रैक पर हुए भीषण विस्फोट ने सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मचा दिया। अनूपगढ़-सूरतगढ़ रेलखंड पर 50 जीबी गांव के पास रात करीब 9:45 बजे हुए धमाके से रेलवे पटरी के नीचे करीब दो फीट गहरा गड्ढा बन गया और सीमेंट के दो स्लीपर क्षतिग्रस्त हो गए। चौंकाने वाली बात यह रही कि इसी ट्रैक से रात 9 बजे पैसेंजर ट्रेन गुजर चुकी थी। यानी ट्रेन के सुरक्षित निकलने के करीब 45 मिनट बाद विस्फोट हुआ। यदि धमाका ट्रेन के गुजरने के दौरान होता तो बड़ा रेल हादसा हो सकता था।



पाकिस्तानी नेटवर्क की आशंका के बीच एटीएस, आईबी, सीआईडी, एफएसएल और बम निरोधक दस्ते ने जांच शुरू कर दी है। सुरक्षा के मद्देनजर रेलवे ने चार ट्रेनें रद्द कर दीं।विस्फोट इतना जोरदार था कि इसकी आवाज करीब 200 मीटर दूर तक सुनाई दी। आसपास की ढाणियों में रहने वाले ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो रेलवे लाइन क्षतिग्रस्त मिली। इसके बाद रामसिंहपुर थाना पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे। शुरुआती निरीक्षण में पटरी के नीचे गहरा गड्ढा, टूटे स्लीपर और आसपास बिखरी कंक्रीट सामग्री मिली। रेलवे की तकनीकी टीम ने मौके पर पहुंचकर नुकसान का आकलन शुरू किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एटीएस, आईबी, सीआईडी, एफएसएल और बम निरोधक दस्ते की टीमें घटनास्थल पर पहुंचीं। पुलिस अधीक्षक हरिशंकर के मुताबिक मामले की जांच जारी है।

पश्चिम रेलवे की टिकट जांच से 138 करोड़ रुपए की वसूली
अप्रैल से अक्टूबर तक 17.93 लाख यात्री पकड़े
एसी लोकल में अनियमित यात्रा के मामले 82 प्रतिशत बढ़े

मुंबई, यश भारत। पश्चिम रेलवे ने बिना टिकट और अनियमित यात्रा करने वालों के खिलाफ अभियान चलाकर अप्रैल से अक्टूबर 2026 के दौरान 138.05 करोड़ रुपये का जुर्माना वसूला। इस अवधि में 17.93 लाख यात्रियों को बिना टिकट या अनियमित रूप से यात्रा करते पकड़ा गया। इसमें बिना बुक किए सामान के मामले भी शामिल हैं।पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक के अनुसार, वरिष्ठ वाणिज्यिक अधिकारियों की निगरानी में मुंबई की लोकल ट्रेनों के साथ मेल, एक्सप्रेस और त्योहार विशेष ट्रेनों में भी जांच अभियान चलाए गए।अकेले अक्टूबर में 2.44 लाख से अधिक यात्री पकड़े गए और उनसे 21.53 करोड़ रुपये वसूले गए। मुंबई उपनगरीय रेलखंड में सात महीने के दौरान 6.28 लाख मामले सामने आए, जिनसे करीब 36 करोड़ रुपये का जुर्माना वसूला गया।एसी लोकल में भी जांच तेज की गई। इस दौरान 1.13 लाख अनियमित यात्रा के मामले पकड़े गए, जो पिछले वर्ष की समान अवधि से 82 प्रतिशत अधिक हैं। रेलवे ने कहा कि इन अभियानों से राजस्व की सुरक्षा और बिना टिकट यात्रा पर अंकुश लगाने में मदद मिल रही है।



अबू धाबी में मनाया गया भगवान बिरसा मुंडा का जयंती समारोह
प्रवासी भारतीयों ने दिखाई सांस्कृतिक एकजुटता




अबू धाबी, यशभारत। बिहार एंड झारखंड समाज, अबू धाबी द्वारा भगवान बिरसा मुंडा दिवस के अवसर पर भारतीय दूतावास, अबू धाबी में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह में संयुक्त अरब अमीरात में भारत के राजदूत डॉ. दीपक मित्तल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत और संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रगीतों के गायन तथा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर स्कूली विद्यार्थियों द्वारा भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, संघर्ष और आदिवासी संस्कृति पर आधारित बनाई गई पेंटिंग्स की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी के माध्यम से बच्चों ने अपनी कला प्रतिभा का प्रदर्शन करने के साथ ही महान स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा के जीवन और उनके योगदान को रेखांकित किया। समारोह को संबोधित करते हुए भारतीय राजदूत डॉ. दीपक मित्तल ने भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, उनके संघर्ष, साहस और देश की आजादी में उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का जीवन देशभक्ति, सामाजिक चेतना और अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने विदेश में रहते हुए भी भारतीय संस्कृति, परंपराओं और महापुरुषों की विरासत को जीवित रखने के लिए बिहार एंड झारखंड समाज सहित अबू धाबी में रह रहे प्रवासी भारतीयों की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान अबू धाबी में निवासरत विभिन्न प्रदेशों के प्रतिष्ठित व्यक्तियों को स्मृति चिह्न एवं शॉल भेंटकर सम्मानित किया गया। समारोह में महिलाओं और बच्चों ने नृत्य एवं गायन की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। भारतीय लोक संस्कृति और परंपराओं पर आधारित इन प्रस्तुतियों ने आयोजन को उत्साह, उमंग और रंगों से भर दिया। विदेश की धरती पर भारतीय सांस्कृतिक विरासत की जीवंत झलक देखने को मिली। पूरे कार्यक्रम में देशप्रेम, सामाजिक एकजुटता और सांस्कृतिक गौरव का वातावरण बना रहा।



कोहली ने तोड़ा सचिन का विश्व रिकॉर्ड वनडे रनचेज में बने नंबर-1 बल्लेबाज

ऑकलैंड,एजेंसी। भारत ने पहले वनडे मुकाबले में न्यूजीलैंड को पांच विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की। इस मुकाबले में विराट कोहली ने रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी। उन्होंने महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का विश्व रिकॉर्ड तोड़ते हुए वनडे क्रिकेट में लक्ष्य का पीछा करते हुए सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज का गौरव हासिल किया। कोहली के नाम अब रनचेज में 8741 रन हो गए हैं, जबकि सचिन तेंदुलकर ने 8720 रन बनाए थे। इसके साथ ही कोहली ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए वनडे में नंबर-3 पर बल्लेबाजी करते हुए 13 हजार रन पूरे कर लिए। वह ऐसा करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए हैं।कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ भी अपना शानदार रिकॉर्ड कायम रखा। उन्होंने कीवी टीम के विरुद्ध वनडे क्रिकेट में 1971 रन पूरे कर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग की बराबरी कर ली। दोनों बल्लेबाज इस मामले में संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंच गए हैं। कोहली ने मुकाबले में 35 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। भारत ने पहले वनडे में न्यूजीलैंड को 5 विकेट से हरा दिया।

महाराष्ट्र मंत्रिमंडल के बड़े फैसले, पुराने ट्रैफिक चालान पर अब मिलेगी 20 प्रतिशत तक छूट
तीन नए ग्राम न्यायालयों को मंजूरी
सिद्धिविनायक न्यास को स्टांप शुल्क में राहत
किसानों के लिए 644 करोड़ का अंतरराष्ट्रीय कृषि सुविधा केंद्र



मुंबई, यश भारत। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में बुधवार को हुई महाराष्ट्र मंत्रिमंडल की बैठक में आम जनता, विद्यार्थियों, किसानों और वाहन चालकों को राहत देने वाले कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। सरकार ने लंबित ट्रैफिक चालान पर 20 प्रतिशत तक छूट देने के लिए महाराष्ट्र ट्रैफिक पुलिस चालान अभय योजना-2026 को मंजूरी दी है। इससे वाहन मालिकों को पुराना जुर्माना चुकाकर राहत पाने का अवसर मिलेगा।

कृषि क्षेत्र के लिए बड़ा कदम उठाते हुए नागपुर के दाभा में अंतरराष्ट्रीय कृषि सुविधा केंद्र स्थापित करने के 644 करोड़ 63 लाख रुपए के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

इसके अलावा पालघर के तलासरी, मोखाडा और विक्रमगढ़ में तीन ग्राम न्यायालय स्थापित होंगे।

नांदेड़ के मुखेड़ में नियमित वरिष्ठ स्तर का दिवाणी न्यायालय बनाया जाएगा।नागपुर जिले की बिडगांव तरोड़ी खुर्द नगर पंचायत को प्रशासनिक भवन के लिए 1.86 हेक्टेयर जमीन मिलेगी।

गोंदिया में आवासीय भूखंडों को मुफ्त में वर्ग-1 में बदलने तथा सिद्धिविनायक मंदिर न्यास को राम मेंशन इमारत की खरीद पर स्टांप शुल्क माफ करने का निर्णय भी लिया गया। सहकारी संस्थाओं के संचालन और चुनाव नियमों में भी महत्वपूर्ण संशोधनों को मंजूरी दी गई। इन फैसलों से राज्य के विभिन्न वर्गों को राहत मिलने की उम्मीद है।

अतिक्रमण पर कार्रवाई नहीं तो आयुक्त का वेतन बंद



मुंबई, यश भारत । बोरिवली में बेस्ट बस डिपो के लिए आरक्षित जमीन से अतिक्रमण नहीं हटाना बीएमसी आयुक्त अश्विनी भिड़े को भारी पड़ गया है। सुप्रीम कोर्ट ने आदेशों की लगातार अनदेखी पर उनके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई शुरू करते हुए नवंबर का वेतन रोकने का निर्देश दिया है। साथ ही मुंबई महानगरपालिका पर पांच लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने सुनवाई के दौरान बीएमसी के रवैये पर नाराजगी जताई। अदालत ने आयुक्त को कारण बताओ नोटिस जारी कर पूछा है कि आदेशों का पालन नहीं करने पर उनके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई क्यों न की जाए। महाराष्ट्र सरकार और बीएमसी को वेतन जारी नहीं करने का निर्देश भी दिया गया है। अदालत ने अधिकारियों और अतिक्रमणकारियों के बीच मिलीभगत की आशंका भी जताई। अतिक्रमण हटाने के लिए 30 दिन की अतिरिक्त मोहलत मांगने वाली बीएमसी की याचिका खारिज कर दी गई। गौरतलब है कि अगस्त 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने 3,400 वर्ग मीटर जमीन पर तीन महीने के भीतर बेस्ट बस डिपो शुरू करने का आदेश दिया था।

हिंगोली में ठाकरे गुट को झटका, पूर्व विधायक समेत सैकड़ों कार्यकर्ता शिंदे की शिवसेना में



मुंबई, यश भारत । महाराष्ट्र के हिंगोली जिले में उद्धव ठाकरे की शिवसेना को बड़ा झटका लगा है। कलमनुरी के पूर्व विधायक डॉ. संतोष टारपे ने सैकड़ों समर्थकों और पदाधिकारियों के साथ उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में शिंदेसेना का दामन थाम लिया। ठाणे में आयोजित प्रवेश समारोह में ठाकरे गुट के जिलाप्रमुख अजय उर्फ गोपू पाटील (अभय सावंत) सहित कई तालुकाप्रमुख और कार्यकर्ता भी शिंदेसेना में शामिल हुए। इस घटनाक्रम का राजनीतिक महत्व इसलिए बढ़ गया है, क्योंकि पिछले विधानसभा चुनाव में संतोष टारपे ने कलमनुरी सीट से शिंदेसेना के विधायक संतोष बांगर के खिलाफ चुनाव लड़ा था और उन्हें 90 हजार से अधिक वोट मिले थे। अब वही टारपे बांगर के नेतृत्व में शिंदेसेना में आ गए हैं। एकनाथ शिंदे ने कहा कि सभी नेता बालासाहेब ठाकरे और आनंद दिघे के विचारों वाली असली शिवसेना में शामिल हुए हैं। इस सामूहिक दल-बदल से हिंगोली में राजनीतिक समीकरण बदलने के संकेत हैं।



टाइगर श्रॉफ गोलीकांड में पैसों का जाल बेनकाब करने में जुटी क्राइम ब्रांच

मुंबई, यश भारत। अभिनेता टाइगर श्रॉफ की जुहू स्थित कार पर गोलीबारी के मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच ने आर्थिक नेटवर्क की जांच तेज कर दी है। पुलिस को संदेह है कि हमले के लिए 25 से 30 बैंक खातों के जरिए रकम पहुंचाई गई। मोटरसाइकिल, हथियारों और आरोपियों के आवागमन पर हुए खर्च का स्रोत तलाशा जा रहा है। ऑनलाइन भुगतान और क्यूआर कोड से किए गए लेन-देन भी जांच के दायरे में हैं। इस मामले में क्राइम ब्रांच ने 13वीं आरोपी सुनेहा पंडित को हरियाणा के करनाल से गिरफ्तार किया है। वह फरार कथित सूत्रधार अनिल पंडित की भावजई है। मंगलवार को विशेष मकोका अदालत ने उसे 16 नवंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। जांच में सामने आया है कि आरोपियों को अलग-अलग कोड दिए गए थे, जिनके जरिए खातों में रकम भेजी जाती थी। पुलिस पैसों के मूल स्रोत और विदेश से हुए संदिग्ध लेन-देन की भी पड़ताल कर रही है। गौरतलब है कि 18 अक्टूबर को टाइगर श्रॉफ की कार पर पांच गोलियां चलाई गई थीं। मामले में अब तक 13 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं।

एआई का लक्ष्य तकनीक नहीं, समस्याओं का समाधान हो : श्रीराम अय्यर



मुंबई, यश भारत । प्रिज्मा एआई के प्रमुख श्रीराम अय्यर ने युवाओं से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग वास्तविक जीवन की समस्याओं के समाधान के लिए करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा केवल नई तकनीक विकसित करने तक सीमित न रहें, अपितु उसके व्यावहारिक उपयोग पर भी ध्यान दें। मुंबई में टाइम्स ऑफ इंडिया के 'लीडर्स ऑन कैंपस' संवाद कार्यक्रम में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अय्यर ने कहा कि एआई और मशीन लर्निंग का इस्तेमाल सुरक्षा, वाहन निर्माण और औद्योगिक उत्पादन जैसे क्षेत्रों में प्रभावी ढंग से किया जा सकता है। हवाई अड्डों पर लावारिस सामान की पहचान और वाहन निर्माण में उत्पादन संबंधी खामियों का पता लगाना इसके उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि तकनीक की सफलता लोगों की वास्तविक जरूरतों को पूरा करने में है। इसके लिए तकनीकी ज्ञान के साथ व्यावसायिक समझ भी जरूरी है। शैक्षणिक अधिष्ठाता ग्रेशा भाटिया ने भी एआई के जिम्मेदार और सकारात्मक उपयोग में मानवीय सोच को महत्वपूर्ण बताया।

दिवाली से पहले खाद्य विभाग की बड़ी कार्रवाई

45 लाख का माल जब्त, दो गिरफ्तार



पांच प्रतिष्ठानों के लाइसेंस निलंबित

मुंबई, यश भारत । दिवाली के त्योहार से पहले मिलावटी और असुरक्षित खाद्य पदार्थों की बिक्री पर रोक लगाने के लिए महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने राज्यभर में विशेष अभियान चलाया है। तीन दिवसीय कार्रवाई में विभाग ने करीब 45 लाख रुपए के खाद्य पदार्थ जब्त किए हैं। इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया, तीन प्राथमिकी दर्ज की गईं और पांच प्रतिष्ठानों के लाइसेंस निलंबित किए गए। अभियान के दौरान मिठाई की दुकानों, होटल, रेस्तरां और खाद्य निर्माण इकाइयों की जांच की गई। मुंबई के चेंबूर में एक निजी बस से 4,002 किलो हलवा और अन्य मिठाइयां बरामद की गईं, जिनकी कीमत करीब 11.11 लाख रुपये बताई गई है। खाद्य पदार्थों को अस्वच्छ परिस्थितियों में और उचित तापमान नियंत्रण के बिना ले जाया जा रहा था। जांच के लिए इनके छह नमूने प्रयोगशाला भेजे गए हैं।इसके अलावा विभिन्न जिलों में मिठाई, नमकीन, खाद्य तेल और सूखे मेवों सहित बड़ी मात्रा में खाद्य सामग्री जब्त की गई। एफडीए ने स्पष्ट किया है कि त्योहार के दौरान मिलावटखोरों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा।



लग्जरी बस में असुरक्षित मिठाइयों की खेप, एफडीए ने 4 टन माल पकड़ा

मुंबई, यश भारत । त्योहारों के मौसम में मुंबईकरों की सेहत से खिलवाड़ का मामला सामने आया है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने चेंबूर में एक लग्जरी बस से करीब 4,002 किलो असुरक्षित मिठाई और स्वीट हलवा जब्त किया है। जब्त खाद्य पदार्थों की कीमत 11 लाख 11 हजार 174 रुपए बताई गई है। एफडीए ने यह कार्रवाई सुरक्षित खाद्य पदार्थों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत की। 2 नवंबर को सांताक्रूज-चेंबूर लिंक रोड पर तिलकनगर पुलिस स्टेशन के पास 'तानिया ट्रैवल्स' की बस रोककर तलाशी ली गई। जांच में मिठाइयां बिना नियंत्रित तापमान और अस्वच्छ परिस्थितियों में ले जाई जा रही थीं। कार्रवाई में नंदी इंडियन स्वीट हलवा, श्री गोकुल ट्रेडिशनल स्वीट्स, गोपाल स्वीट बर्फी और श्री बंसीधर स्वीट हलवा के उत्पाद जब्त किए गए। एफडीए ने छह नमूने प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजे हैं। रिपोर्ट के आधार पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

मुंबई में जापानी संस्कृति का अनूठा संगम

कला, संगीत और माचा चाय का मिलेगा स्वाद



मुंबई, यश भारत । महानगरवासियों को इस सप्ताहांत जापान की पारंपरिक और आधुनिक संस्कृति का अनुभव करने का अवसर मिलने जा रहा है। जापानी संस्कृति पर आधारित इस विशेष आयोजन में कला, संगीत, खान-पान और रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से जापान की जीवनशैली की झलक देखने को मिलेगी। आयोजन में जापानी संस्कृति के विभिन्न पहलुओं को करीब से जानने का मौका मिलेगा। खास तौर पर जापानी एनीमे संस्कृति से जुड़ी गतिविधियां युवाओं के आकर्षण का केंद्र रहेंगी। इसमें एनीमे प्रेमियों के लिए विशेष क्लब गतिविधियां और पसंदीदा किरदारों की वेशभूषा में शामिल होने का अवसर भी होगा। इसके अलावा जापान की प्रसिद्ध चाय संस्कृति से परिचित कराने के लिए माचा लैब भी तैयार की जाएगी, जहां ताजा माचा चाय का स्वाद लिया जा सकेगा। कला और रचनात्मक कार्यशालाओं के जरिए प्रतिभागियों को जापानी परंपराओं को समझने का मौका मिलेगा।

सायन में 17 वर्षीय किशोर पर चाकू से हमला

मुंबई, यश भारत । मुंबई के सायन इलाके में दो नाबालिगों ने बिना किसी विवाद के 17 वर्षीय किशोर पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में उसके पीठ, पेट और शरीर के पिछले हिस्से पर गंभीर चोटें आई हैं। उसे सायन अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, रविवार रात करीब पौने नौ बजे सायन जंक्शन स्थित ऑरेंज मेडिकल के पास नित्यानंद पान शॉप के सामने घटना हुई। किशोर अपने मित्र के साथ पान लेने पहुंचा था। इसी दौरान वहां आए दो नाबालिगों ने बिना किसी कहासुनी के किशोर पर चाकू से हमला कर दिया। घायल किशोर को मित्र और स्थानीय लोगों ने अस्पताल पहुंचाया। मित्र की शिकायत पर सायन पुलिस ने हत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया। दोनों आरोपियों को हिरासत में लेने के बाद डोंगरी स्थित बाल सुधारगृह भेज दिया गया है।



आदिवासी महिलाओं के बनाए मिट्टी के दीयों का निःशुल्क वितरण

रविंद्र मिश्रा, यश भारत। शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे पक्ष की वर्सोवा विधानसभा की ओर से आदिवासी महिलाओं द्वारा निर्मित मिट्टी के दीयों का निःशुल्क वितरण किया गया। विधानसभा उपविभाग प्रमुख राजेश शेट्ये ने बताया कि मंगलवार, 3 नवंबर को वर्सोवा स्थित दादासाहेब गायकवाड़ केंद्र के सम्राट अशोक सभागार में शाखा क्रमांक 60 की ओर से कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक हारुन खान के हाथों स्थानीय नागरिकों को दीपोत्सव मनाने के लिए मिट्टी के दीये वितरित किए गए। कार्यक्रम में महिला विधानसभा संगठक मेघना माने, विधानसभा समन्वयक बाला आंबेकर, शीतल सावंत, शाखा प्रमुख सिद्धेश चाचे, महिला शाखा संगठक अश्विनी खानविलकर, संजना हरलीकर, कार्यालय प्रमुख निलेश देवकर, सचिन आंबेकर, अतुल भोसले, गणेश डाबीर, ज्योत्स्ना धामणकर और स्नेहल दलवी सहित बड़ी संख्या में शिवसैनिक एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

दिव्यांगजनों को दीपावली पर बांटी घरेलू उपयोग की सामग्री



मुंबई, यश भारत। नैसर्गिक विकलांग सेवा संघ की ओर से अध्यक्ष टी. एन. दुबे के नेतृत्व में अंधेरी पूर्व के अंबावाड़ी स्थित संस्था कार्यालय में दीपावली स्नेह सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रमुख आरटीआई विशेषज्ञ अनिल गलगली ने की। इस अवसर पर भाजपा कामगार आघाड़ी, मुंबई के अध्यक्ष अभिजीत राणे, समाजसेवी गणेश अग्रवाल, एडवोकेट सतीश मिश्रा और विजय सिंह प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह में टी. एन. दुबे एवं अतिथियों के हाथों 150 दिव्यांगजनों को घरेलू उपयोग की आवश्यक सामग्री और मिठाइयां वितरित की गईं। आयोजन को सफल बनाने में प्रशांत चारी, विनय दुबे, पंकज मिश्रा, वीरेन्द्र दुबे, अमित खरवार, पवन दुबे, अनिल धोत्रे, मीना पटेकर, गुरुजस यादव, राम ठाकुर, दीपक नाचरे, मदन शीतप और पिंटू उपाध्याय ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

बिश्नोई गिरोह के नाम से धमकाकर तुषार कपूर से मांगे पांच करोड़



मुंबई, यश भारत । बॉलीवुड अभिनेता तुषार कपूर से लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का सदस्य होने का दावा कर पांच करोड़ रुपए की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। धमकी देने वाले ने अपनी पहचान हैरी बॉक्सर के रूप में बताई। हालांकि, मुंबई पुलिस की अपराध शाखा की शुरुआती जांच में धमकी भरे ऑडियो और हैरी बॉक्सर के उपलब्ध आवाज के नमूनों में समानता नहीं मिली है। इससे गिरोह का प्रत्यक्ष हाथ होने पर संदेह जताया जा रहा है। तुषार कपूर ने धमकी मिलने की जानकारी पुलिस को दी थी। इसके बाद जांच रंगदारी निरोधक इकाई को सौंपी गई। पुलिस अब धमकी भेजने वाले मोबाइल नंबर और संबंधित व्यक्ति की पहचान करने में जुटी है। गौरतलब है कि 18 अक्टूबर को अभिनेता टाइगर श्रॉफ के जुहू स्थित आवास के बाहर गोलीबारी हुई थी। इस घटना की जिम्मेदारी बिश्नोई गिरोह से जुड़े अमित पंडित ने ली थी। पुलिस को आशंका है कि गिरोह के नाम का इस्तेमाल कर रंगदारी वसूलने की कोशिश की गई है।

राकांपा में अंदरूनी कलह तेज, सुनेत्रा पवार के सामने विधायकों ने जताई नाराजगी



मुंबई, यश भारत । महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस (अजीत पवार गुट) की अंदरूनी खींचतान अब खुलकर सामने आने लगी है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के बीच जारी मतभेदों से संगठन कमजोर होने की शिकायत विधायकों ने अध्यक्ष सुनेत्रा पवार से की। मंगलवार रात मुंबई के देवगिरी सरकारी आवास पर हुई बैठक में 32 विधायक और मंत्री शामिल हुए। विधायकों ने आरोप लगाया कि महायुति सरकार में शामिल होने के बावजूद उनके निर्वाचन क्षेत्रों के विकास कार्य अटके हैं। एकनाथ शिंदे की शिवसेना के नियंत्रण वाले विभागों में उनके काम नहीं हो रहे हैं। वित्त विभाग भाजपा के पास होने से पर्याप्त निधि भी नहीं मिल रही। उन्होंने वित्त विभाग राकांपा को वापस दिलाने के लिए भाजपा नेतृत्व से हुई बातचीत का ब्योरा मांगा। बैठक में प्रफुल्ल पटेल, सुनील तटकरे, छगन भुजबल, धनंजय मुंडे और दिलीप वलसे पाटिल सहित वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। विधायकों ने सूखाग्रस्त क्षेत्रों का दौरा कर किसानों को राहत पहुंचाने की सलाह भी दी। इससे पहले अमित शाह से सुनेत्रा पवार की अनुपस्थिति में हुई मुलाकात और पार्थ पवार की भूमिका पर भी असंतोष सामने आया था। लगातार बढ़ते मतभेदों से पार्टी की एकजुटता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

अपराध के बदलते चेहरे में महिलाएं भी सक्रिय, पुलिस की बढ़ी चुनौती



जय सिंह, यश भारत । मुंबई में अंडरवर्ल्ड और संगठित अपराध की दुनिया में महिलाओं की बढ़ती भूमिका पुलिस के लिए चिंता का विषय बनती जा रही है। अब महिलाएं केवल अपराधियों की मददगार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि साजिश, आर्थिक लेन-देन और नेटवर्क संचालन में भी उनकी भूमिका सामने आ रही है। अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर गोलीबारी के मामले में राधा और बबीता की गिरफ्तारी ने इस बदलते स्वरूप को उजागर किया है। ड्रग्स तस्करी में भी महिलाओं की सक्रियता सामने आई है। मीरा रोड में पति-पत्नी समेत 13 आरोपियों की गिरफ्तारी और 6.773 किलो मेफेड्रोन की बरामदगी इसका उदाहरण है। बांद्रा में निलोफर शेख पर ड्रग्स बिक्री का नेटवर्क चलाने का संदेह है। बोरीवली में घर में हेरोइन तैयार करने के आरोप में एक दंपति भी गिरफ्तार हुआ है। वसूली और रंगदारी के नेटवर्क में भी महिलाओं की भूमिका की जांच हो रही है। पुलिस के सामने अब यह चुनौती है कि महिलाएं केवल गिरोह के निर्देश पर काम कर रही हैं या स्वयं नेटवर्क संचालित कर रही हैं। इन मामलों ने संगठित अपराध की जांच का दायरा बढ़ाने की जरूरत रेखांकित की है।

वित्त मंत्रालय पर अजीत पवार गुट की दावेदारी तेज



मुंबई, यश भारत । महाराष्ट्र की महायुति सरकार में मंत्रालयों के बंटवारे को लेकर सियासी खींचतान तेज हो गई है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजीत पवार गुट) के प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे ने वित्त मंत्रालय पर अपनी पार्टी का दावा जताया है। उन्होंने कहा कि पूर्व में अजीत पवार ने इस विभाग की जिम्मेदारी संभाली थी, इसलिए आगामी सरकार में भी वित्त मंत्रालय राष्ट्रवादी कांग्रेस को ही मिलना चाहिए। तटकरे के इस बयान से भाजपा, शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस के बीच महत्वपूर्ण मंत्रालयों को लेकर जारी दावेदारी खुलकर सामने आ गई है। इस बीच तटकरे ने विधायक रोहित पवार पर भी तीखा हमला बोला। रोहित पवार की लगातार आलोचनाओं पर पलटवार करते हुए उन्होंने कहा, 'दूसरों पर टिप्पणी करने से पहले अपना चेहरा आईने में देखना चाहिए।' तटकरे के इस बयान से राष्ट्रवादी कांग्रेस के भीतर जारी राजनीतिक टकराव भी चर्चा में आ गया है।

दीपावली-छठ पर यूपी-बिहार जाने वालों की मुश्किलें बरकरार

2 हजार से ज्यादा विशेष ट्रेनों के दावे फेल, जनरल और स्लीपर में भारी भीड़; कन्फर्म टिकट वाले भी परेशान

जेदवी, यशभारत। दिवाली के साथ ही छठ महापर्व पर गांव जाने की तैयारी कर रहे उत्तर प्रदेश और बिहार के यात्रियों की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। रेलवे की ओर से हजारों विशेष ट्रेनें चलाने के दावों के बावजूद मुंबई के प्रमुख स्टेशनों पर भारी भीड़ उमड़ रही है। एलटीटी, सीएसएमटी, दादर और कल्याण स्टेशनों पर यात्रियों की लंबी कतारें और प्लेटफॉर्म पर अफरा-तफरी का माहौल है।

मुंबई से पटना, दानापुर, गोरखपुर, वाराणसी और दरभंगा जाने वाली ट्रेनों में पैर रखने तक की जगह नहीं है। जनरल डिब्बों के साथ स्लीपर कोचों में भी अनधिकृत यात्रियों की भीड़ से आरक्षित टिकटधारकों को परेशानी हो रही है। कन्फर्म टिकट होने के बावजूद यात्रियों को अपने कोच तक पहुंचने और ट्रेन में चढ़ने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

रेलवे के अनुसार, देशभर में करीब 8,454 विशेष ट्रेन फेरे संचालित किए गए हैं। इनमें बिहार के लिए 2,057 और उत्तर प्रदेश के लिए 1,056



फेरे शामिल हैं। मध्य रेल ने मुंबई और पुणे से 418 विशेष सेवाओं की घोषणा की है। इसके बावजूद नियमित ट्रेनों और प्लेटफॉर्म पर भीड़ का दबाव कम नहीं हो रहा है।

13 से 16 नवंबर तक छठ महापर्व के चलते आने वाले दिनों में यात्रियों की संख्या और बढ़ने की आशंका है। ऐसे में रेलवे के सामने भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा और यात्रियों को सुविधाजनक यात्रा उपलब्ध कराने की बड़ी चुनौती है।

दीपावली-छठ पर रेलवे का अतिरिक्त इंतजाम

36 विशेष ट्रेनों के बढ़ाए फेरे, आज से शुरू होगा आरक्षण

दीपावली और छठ पूजा पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए मध्य रेलवे ने 36 विशेष ट्रेनों के परिचालन की अवधि नवंबर के अंतिम सप्ताह तक बढ़ा दी है। इनमें एलटीटी-समस्तीपुर, एलटीटी-बनारस, एलटीटी-दानापुर, एलटीटी-मऊ, एलटीटी-मडगांव और तिरुवनंतपुरम नॉर्थ सहित कई मार्गों की ट्रेनें शामिल हैं। खड़की-सांगानेर और हडपसर-गाजीपुर सिटी विशेष ट्रेनों के फेरे भी बढ़ाए गए हैं।

एलटीटी-समस्तीपुर ट्रेन 24 नवंबर और वापसी सेवा 26 नवंबर तक चलेगी। एलटीटी-दानापुर विशेष ट्रेन 22 से 29 नवंबर तथा वापसी सेवा 23 से 30 नवंबर तक प्रतिदिन उपलब्ध रहेगी।

रेलवे के अनुसार, चयनित ट्रेनों का आरक्षण 5 नवंबर यानी आज से आरक्षण केंद्रों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगा। अनारक्षित टिकट यूटीएस और रेलवन ऐप से बुक किए जा सकेंगे। ट्रेनों के समय और ठहराव की जानकारी एनटीईएस ऐप पर मिलेगी।

आयुष्मान खुराना को लॉरेंस गैंग के नाम पर धमकी

करोड़ों रुपये की फिरौती मांगी, मुंबई पुलिस ने शुरू की जांच

मुंबई, यशभारत। बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना को धमकी भरा ऑडियो मैसेज भेजकर करोड़ों रुपये की मांग किए जाने का मामला सामने आया है। ऑडियो भेजने वाले व्यक्ति ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य बताया है। मामले की जानकारी मिलने के बाद मुंबई पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। हालांकि, अभी तक इस संबंध में एफआईआर दर्ज नहीं की गई है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, जांच एजेंसियां



ऑडियो क्लिप में सुनाई दे रही आवाज का मिलान पुलिस रिकॉर्ड में मौजूद एक आरोपी के वॉयस सैंपल से कर रही हैं। इसके जरिए यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि धमकी देने वाला व्यक्ति वास्तव में किसी आपराधिक गिरोह से जुड़ा है या उसने डर पैदा करने के लिए गैंग के नाम का इस्तेमाल किया है।

गौरतलब है कि हाल ही में अभिनेता तुषार कपूर को भी इसी तरह का धमकी भरा ऑडियो मैसेज मिला था। वहीं, टाइगर श्रॉफ पर जुहू में हुई फायरिंग की घटना के बाद फिल्मी सितारों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। इस मामले में 13 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

मुंबई में पटाखों की बिक्री पर पुलिस का शिकंजा

बिना लाइसेंस भंडारण और सार्वजनिक प्रदर्शन पर प्रतिबंध, 3 नवंबर से 2 दिसंबर तक रहेगा लागू

मुंबई, यशभारत। दिवाली और आगामी त्योहारों के मद्देनजर मुंबई पुलिस ने पटाखों की बिक्री और भंडारण को लेकर सख्त रुख अपनाया है। पुलिस उपायुक्त (ऑपरेशंस) एवं कार्यकारी मजिस्ट्रेट अकबर पठान ने आदेश जारी कर बृहन्मुंबई क्षेत्र में बिना वैध लाइसेंस के पटाखे बेचने, रखने, प्रदर्शित करने और बिक्री के उद्देश्य से परिवहन करने पर प्रतिबंध लगा दिया है।



महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम, 1951 के तहत जारी यह आदेश 3 नवंबर से 2 दिसंबर, 2026 तक प्रभावी रहेगा। इसके अनुसार सार्वजनिक स्थानों पर कोई भी व्यक्ति अधिकृत पुलिस अधिकारी से लाइसेंस प्राप्त किए बिना पटाखों की बिक्री, भंडारण, प्रदर्शन या परिवहन नहीं कर सकेगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस को सार्वजनिक स्थानों पर आदेश की प्रतियां लगाने और लाउडस्पीकर के माध्यम से लोगों को इसकी जानकारी देने के निर्देश भी दिए गए हैं।

गौरतलब है कि बॉम्बे हाई कोर्ट ने भी ध्वनि और वायु प्रदूषण को ध्यान में रखते हुए दिवाली सहित अन्य त्योहारों के दौरान महाराष्ट्र में सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर पटाखे फोड़ने पर रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। अदालत ने आदेश का पालन सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी प्रशासन को सौंपी है।

टाइगर श्रॉफ फायरिंग में विदेशी फंडिंग का खुलासा

13वीं आरोपी सुनेहा गिरफ्तार, क्रिप्टो वॉलेट से भारत में शूटरों को भुगतान

जय सिंह, यशभारत। अभिनेता टाइगर श्रॉफ के घर पर हुई फायरिंग मामले की जांच में बिश्नोई गैंग के आर्थिक नेटवर्क का बड़ा खुलासा हुआ है। क्राइम ब्रांच के मुताबिक, रंगदारी से वसूले गए करीब 47 लाख रुपये क्रिप्टो वॉलेट के जरिए विदेश से भारत भेजे गए। इसी रकम से शूटरों, हथियारों, बाइक और उनके ठहरने की व्यवस्था का खर्च उठाया गया।

जांच में सामने आया है कि साजिश के कथित मास्टरमाइंड अनिल पंडित के भाई अभिषेक पंडित के करनाल स्थित एसबीआई खाते में विदेश से



रकम पहुंची थी। इस खाते से गिरफ्तार आरोपियों को भुगतान किया गया। अभिषेक की पत्नी सुनेहा पंडित पर भी अलग-अलग आरोपियों के खातों में पैसे ट्रांसफर करने का आरोप है।

पुलिस के अनुसार, सुनेहा ने रितिक के खाते में 57 हजार, शूटर फूल सिंह और रेहान के ठहरने वाले लॉज में 5 हजार तथा अमर के खाते में 50 हजार रुपये भेजे थे। डिजिटल लेन-देन छिपाने के लिए कंबोडिया और डेनमार्क के वीपीएन इस्तेमाल किए जाने की जानकारी भी मिली है।

सुनेहा इस मामले में 13वीं गिरफ्तार आरोपी है। अदालत ने उसे 16 नवंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। अब क्राइम ब्रांच विदेश से आए धन और क्रिप्टो वॉलेट के जरिए संचालित पूरे नेटवर्क की पड़ताल कर रही है।

दिवाली से पहले राज ठाकरे का बड़ा फैसला

इस साल शिवाजी पार्क में नहीं होगा दीपोत्सव, बोले- अपने लोग सूखे की आग में झुलस रहे हैं तो इस तरह उत्सव मनाना उचित नहीं



मुंबई, यशभारत। महाराष्ट्र में भीषण सूखे की स्थिति को देखते हुए महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) अध्यक्ष राज ठाकरे ने इस साल शिवाजी पार्क में आयोजित होने वाला भव्य दीपोत्सव रद्द करने का फैसला किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर नागरिकों से दिवाली सादगी से मनाने और आतिशबाजी से बचने की अपील की है।

राज ठाकरे ने कहा, 'जब हमारे अपने लोग सूखे की आग में झुलस रहे हैं, तब इस तरह उत्सव मनाना मन को उचित नहीं लगता।' उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र इस समय बेहद कठिन दौर से गुजर रहा है। ग्रामीण इलाकों में पानी का गंभीर संकट है और मुख्यमंत्री भी 1972 से अधिक भीषण सूखे की आशंका जता चुके हैं। ऐसे में हमें सोचना चाहिए कि सूखे से प्रभावित भाई-बहनों और उनके बच्चों पर क्या बीत रही होगी।

उन्होंने कहा, 'हमें काली दिवाली नहीं मनानी है, लेकिन अपने उत्साह पर नियंत्रण रखना जरूरी है।' राज ठाकरे ने नागरिकों से घरों में कंदील लगाने और दिवाली का फराल बांटने की अपील की, लेकिन भव्य रोशनी और पटाखों से बचने को कहा। उन्होंने उम्मीद जताई कि अगले साल परिस्थितियां सामान्य होंगी और शिवाजी पार्क में फिर पूरे उत्साह के साथ दीपोत्सव मनाया जाएगा।

किसानों की दिवाली काली नहीं होने देंगे -एकनाथ शिंदे

सत्ता परिवर्तन के नारे लगाने वालों को जनता ने तीन बार नकारा



मुंबई, यशभारत। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सत्ता परिवर्तन (रेजिम चेंज) के नारे लगाने वालों को जनता ने लगातार तीन बार नकार दिया है। विरोधियों को जनता ने चुनावों में हार की हैट्रिक दिखाई है। उन्होंने कहा कि केवल सत्ता बदलने की बातें करने से कुछ हासिल नहीं होगा, जनता का विश्वास जीतना जरूरी है। शिंदे ने कहा कि विपक्ष राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप में व्यस्त है, जबकि महायुति सरकार किसानों की समस्याओं को दूर करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। महाराष्ट्र के किसान प्राकृतिक आपदा और फसलों के नुकसान के कारण मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। ऐसे समय में सरकार उन्हें अकेला नहीं छोड़ेगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसानों की दिवाली काली नहीं होने दी जाएगी। किसानों को आर्थिक संकट से उबारने के लिए सरकार हरसंभव सहायता उपलब्ध कराएगी। राहत और मदद पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है।

शिंदे ने विपक्ष को निशाने पर लेते हुए कहा कि किसानों के दुख और संकट पर राजनीति करने के बजाय विपक्ष को उनके हितों के लिए काम करना चाहिए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि महायुति सरकार किसानों के साथ मजबूती से खड़ी है और उनके जीवन में खुशहाली लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

दिवाली से पहले मेट्रो-3 की बढ़ी रफ्तार

रोजाना 46 अतिरिक्त फेरे शुरू, पीक आवर्स में हर चार मिनट पर मिलेगी ट्रेन



मुंबई, यशभारत। दिवाली से पहले मुंबईकरों को भूमिगत मेट्रो-3 की बड़ी सौगात मिली है। यात्रियों की बढ़ती संख्या और व्यस्त समय में ट्रेनों में होने वाली भीड़ को देखते हुए मेट्रो प्रशासन ने दैनिक फेरों में 46 की बढ़ोतरी की है। अब आरे से कफ परेड तक प्रतिदिन 291 के बजाय 337 मेट्रो सेवाएं संचालित होंगी। इस फैसले से नौकरीपेशा लोगों, विद्यार्थियों और नियमित यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद है। नई व्यवस्था के तहत सुबह और शाम के व्यस्त समय में यात्रियों को लगभग हर चार मिनट में मेट्रो उपलब्ध होगी। इससे स्टेशनों के प्लेटफॉर्म पर भीड़ कम होने के साथ यात्रियों का इंतजार भी घटेगा।

खासकर कार्यालय आने-जाने वाले यात्रियों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। मेट्रो प्रशासन ने बांद्रा स्टेशन पर पुरानी समय-सारणी को फिर से लागू करने का निर्णय लिया है। इससे यात्रियों को अपनी यात्रा की योजना बनाने में आसानी होगी। मेट्रो-3 के पूरे गलियारे पर लगातार बढ़ रही यात्रियों की संख्या को देखते हुए फेरों में यह बढ़ोतरी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। दिवाली से पहले लिए गए इस फैसले से मुंबई की भूमिगत मेट्रो सेवा अधिक सुविधाजनक और सुगम होने की उम्मीद है।

जिन्ना की राह पर चल रहे हैं राहुल गांधी -मंगल प्रभात लोढ़ा

बोले- विदेशी ताकतें कर रही हैं मदद



मुंबई, यशभारत। महाराष्ट्र सरकार के मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलते हुए उनकी तुलना मोहम्मद अली जिन्ना से की है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी देश में अराजकता फैलाने और संवैधानिक व्यवस्था को कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं। लोढ़ा ने दावा किया कि कुछ विदेशी ताकतें भी इस काम में उनकी मदद कर रही हैं।

चुनाव आयोग के खिलाफ राहुल गांधी के विरोध प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए लोढ़ा ने कहा, 'राहुल गांधी वही कर रहे हैं, जो 1945-47 के दौरान जिन्ना ने किया था। देश में अराजकता फैलाने, संविधान को तोड़ने और कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश हो रही है।' उन्होंने लोगों से ऐसी कथित साजिश को समय रहते समझने की अपील की।

लोढ़ा ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का बचाव करते हुए कहा कि वे संवैधानिक पद पर हैं और ऐसे पदों एवं संस्थाओं की सुरक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का समर्थन करते हुए उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए सरकार काम कर रही है। उनके अनुसार 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं और देश की अर्थव्यवस्था तथा विदेश नीति मजबूत हुई है।

कुंभ मेले की हर जानकारी अब एक क्लिक पर

कुंभ प्राधिकरण ने लॉन्च की आधिकारिक वेबसाइट, स्नान पर्व से लेकर आवास और सुरक्षा तक का मिलेगा ब्योरा

नासिक, यशभारत। सिंहस्थ कुंभ मेले की तैयारियों को गति देने के साथ श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए नासिक-त्र्यंबकेश्वर कुंभ मेला प्राधिकरण ने आधिकारिक वेबसाइट शुरू की है। अब देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं को कुंभ मेले से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां एक ही मंच पर उपलब्ध होंगी। 31 अक्टूबर को ध्वजारोहण समारोह के साथ कुंभ पर्व की तैयारियों का औपचारिक शुभारंभ किया गया था।

वेबसाइट पर शाही स्नान की तारीखों और समय के साथ प्रमुख धार्मिक स्थलों, मंदिरों, घाटों और अखाड़ों की जानकारी मिलेगी।



श्रद्धालु नाशिक और त्र्यंबकेश्वर पहुंचने के लिए हवाई, रेल और सड़क मार्गों से जुड़ी जानकारी भी हासिल कर सकेंगे।

इसके अलावा पेयजल, शौचालय, चिकित्सा केंद्र, अस्पताल, आवास, वाहन पार्किंग और सहायता केंद्रों का ब्योरा चरणबद्ध तरीके से उपलब्ध कराया जाएगा। आपातकालीन संपर्क नंबर और सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देश भी वेबसाइट पर मिलेंगे।

प्राधिकरण ने सरकारी विभागों, स्थानीय निकायों, धार्मिक संस्थाओं और मीडिया से वेबसाइट का व्यापक प्रचार करने की अपील की है, ताकि श्रद्धालु समय रहते अपनी यात्रा और ठहरने की योजना बना सकें। वेबसाइट: https://simhasthamahakumbh.maharashtra.gov.in/

मनचाही पोस्टिंग नहीं मिली तो कमिश्नर के बंगले पर चढ़ाई कार

शराब के नशे में कांस्टेबल ने सरकारी आवास के गेट को मारी टक्कर, पुलिस ने हिरासत में लिया

पुणे, यशभारत। मनचाही जगह पर पोस्टिंग नहीं मिलने से नाराज एक कांस्टेबल ने कथित तौर पर शराब के नशे में पुणे पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार के सरकारी बंगले के गेट पर कार चढ़ा दी। छावनी इलाके में हुई इस घटना के बाद पुलिस ने आरोपी कांस्टेबल को हिरासत में ले लिया। घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। टक्कर के समय कांस्टेबल कार में अकेला था।

पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार ने बताया



कि घटना के समय कर्मचारी शराब के नशे में था। उसका अनुशासनात्मक मामलों में पहले भी रिकॉर्ड रहा है और वह पूर्व में कई अपराधों में शामिल रहा है। कांस्टेबल को 2025 में निलंबित किया गया था, जबकि 2026 में उसे दोबारा बहाल कर दिया गया था।

पुलिस के अनुसार, आरोपी मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से भी जूझ रहा है। हालांकि, घटना के पीछे की वजह आधिकारिक तौर पर स्पष्ट नहीं की गई है। पुलिस हलकों में चर्चा है कि मनचाही जगह पर तबादला नहीं होने से वह नाराज था। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

दीपावली पर नागपुर-मुंबई के बीच चलेंगी 12 विशेष ट्रेनें

मध्य रेल ने की घोषणा, 4 नवंबर से आरक्षण शुरू



मुंबई, यशभारत। दीपावली के त्योहार पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए मध्य रेल ने नागपुर और मुंबई के बीच 12 अतिरिक्त विशेष ट्रेन सेवाएं चलाने की घोषणा की है। नागपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस (एलटीटी) और छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी)-नागपुर के बीच इन ट्रेनों का परिचालन किया जाएगा। इससे त्योहार के दौरान यात्रियों को अतिरिक्त यात्रा विकल्प मिलेंगे।

नागपुर-एलटीटी के बीच 8 सेवाएं- ट्रेन संख्या 01083 एलटीटी-नागपुर विशेष 6, 8, 11 और 13 नवंबर को शाम 5.05 बजे रवाना होकर अगले दिन सुबह 7 बजे नागपुर पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 01084 नागपुर-एलटीटी विशेष 5, 7, 10 और 12 नवंबर को दोपहर 1.30 बजे रवाना होकर अगले दिन सुबह 6.15 बजे पहुंचेगी। इन ट्रेनों का ठहराव ठाणे, कल्याण, इगतपुरी, नासिक रोड, जलगांव, भुसावल, अकोला, बडनेरा और वर्धा सहित प्रमुख स्टेशनों पर होगा।

सीएसएमटी-नागपुर के बीच 4 सेवाएं- ट्रेन संख्या 01085 सीएसएमटी-नागपुर विशेष 7 और 9 नवंबर को दोपहर 3.25 बजे रवाना होगी। वापसी में ट्रेन संख्या 01086 नागपुर-सीएसएमटी विशेष 8 और 10 नवंबर को दोपहर 1.30 बजे रवाना होगी। इनका ठहराव दादर, ठाणे और कल्याण सहित प्रमुख स्टेशनों पर होगा। मध्य रेल के अनुसार, इन ट्रेनों का आरक्षण 4 नवंबर से यात्री आरक्षण केंद्रों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगा। अनारक्षित टिकट यूटीएस प्रणाली और रेलवन ऐप से बुक किए जा सकेंगे।

महाराष्ट्र में खुले खाद्य तेल की बिक्री पर एक साल की छूट

फडणवीस के निर्देश पर बावनकुले ने लिया फैसला, छोटे दुकानदारों और ग्राहकों को राहत

मुंबई, यश भारत। महाराष्ट्र में खुले खाद्य तेल की बिक्री पर लगी रोक से छोटे व्यापारियों को फिलहाल राहत मिल गई है। राज्य सरकार ने खुले खाद्य तेल की बिक्री पर एक साल की छूट जारी रखने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के निर्देश पर राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने यह निर्णय लिया। नई नीति और बिक्री की कार्यप्रणाली निर्धारित होने तक यह छूट जारी रहेगी।

दिवाली के दौरान खाद्य तेल की बढ़ती मांग को देखते हुए सरकार के इस फैसले से पारंपरिक तेल कारोबारियों, छोटे दुकानदारों और ग्राहकों को राहत मिलेगी। इस संबंध में मंत्रालय में बावनकुले की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें खाद्य एवं औषधि प्रशासन मंत्री नरहरि झिरवाल सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बावनकुले ने कहा कि खाद्य तेल में मिलावट रोकना और उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण तेल उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। हालांकि, वर्षों से पारंपरिक तरीके से



कारोबार कर रहे छोटे व्यापारियों की आजीविका का भी ध्यान रखना जरूरी है। उन्होंने नई नीति तैयार करने के लिए व्यापारी संगठनों, खाद्य एवं औषधि प्रशासन और अन्य संबंधित पक्षों को शामिल करते हुए सर्वसमावेशी समिति गठित करने के निर्देश दिए। समिति की सिफारिशों के आधार पर भविष्य की व्यवस्था तय की जाएगी।

संपादकीय

आरोपों की राजनीति बनाम जमीनी हकीकत

वोट चोरी के आरोपों से कितना बदल पाएगा देश का सियासी मिजाज?

भारतीय राजनीति इन दिनों आरोप-प्रत्यारोप के एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां लोकतंत्र, चुनावी पारदर्शिता और संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता राजनीतिक संघर्ष के केंद्र में आ गई है। दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्ष के 21 राजनीतिक दलों की भागीदारी वाली वोट चोरी रैली के बाद सियासी माहौल और गरमा गया है। विपक्ष इसे लोकतंत्र बचाने की लड़ाई बता रहा है, तो सत्तापक्ष इन आरोपों को राजनीतिक हताशा और जनता के जनादेश को नकारने की कोशिश के रूप में देख रहा है। रैली की सफलता और उसमें जुटी भीड़ को लेकर भले ही दोनों पक्ष अपने-अपने दावे कर रहे हों, लेकिन इस पूरे घटना म ने एक बड़ा सवाल जरूर खड़ा किया है कि क्या चुनावी प्र िया वास्तव में संदेह के घेरे में है या फिर लोकतांत्रिक व्यवस्था से जुड़े मुद्दों को राजनीतिक लड़ाई का हथियार बनाया जा रहा है?कांग्रेस सहित विपक्षी दलों के नेता, विशेषकर राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे, मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों को लेकर चुनाव आयोग पर लगातार सवाल उठा रहे हैं। विपक्ष का दावा है कि मतदाता सूचियों से करोड़ों नाम हटाए गए और इसका चुनावी परिणामों पर असर पड़ा। उसका तर्क है कि जब जीत और हार का अंतर कई सीटों पर बेहद कम था, तब मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर हुई कथित कटौती को सामान्य प्रशासनिक प्र िया मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, लेकिन इस पूरे आरोप की पड़ताल करते समय कुछ बुनियादी सवालों का जवाब भी जरूरी है। यदि विपक्ष 2024 के लोकसभा चुनाव को व्यापक स्तर पर अवैध और धांधलीपूर्ण मानता है, तो क्या उस चुनाव से निर्वाचित केवल भाजपा के सांसदों का जनादेश ही संदिग्ध होगा? क्या विपक्ष के 99 सांसदों और स्वयं नेता प्रतिपक्ष का निर्वाचन भी उसी कसौटी पर नहीं आएगा? आखिर जिस चुनावी प्र िया पर सवाल उठाए जा रहे हैं, उसी प्र िया से विपक्ष को भी संसद में प्रतिनिधित्व मिला है। ऐसे में आरोपों की गंभीरता के साथ उनके तार्किक आधार को भी स्पष्ट करना आवश्यक है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि चुनाव में भाजपा को लगभग 38 प्रतिशत मत मिले, जबकि कांग्रेस का मत प्रतिशत करीब 21 प्रतिशत रहा। हालांकि, मत प्रतिशत अपने आप में चुनावी प्र िया की निष्पक्षता का प्रमाण नहीं हो सकता, लेकिन जनादेश का आकलन करते समय इसे भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। चुनावी अनियमितताओं के आरोपों की जांच तथ्यों और प्रमाणों के आधार पर होनी चाहिए, न कि केवल राजनीतिक दावों के आधार पर। दूसरी ओर, मतदाता सूचियों को दुरुस्त करने के लिए चल रही एसआईआर जैसी प्र िया को भी केवल राजनीतिक चश्मे से देखना उचित नहीं होगा। मतदाता सूची में मृत व्यक्ति यों के नाम, दोहरे पंजीकरण और स्थान परिवर्तन के कारण मौजूद त्रुटियों को दूर करना किसी भी स्वस्थ लोकतंत्र के लिए जरूरी है। लेकिन इसके साथ यह सुनिश्चित करना भी चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है कि किसी भी वास्तविक मतदाता का नाम बिना उचित प्र िया और सूचना के सूची से बाहर न हो। सुधार की प्र िया और मताधिकार की सुरक्षा, दोनों एक-दूसरे के पूरक होने चाहिए। यहां चुनाव आयोग की जवाबदेही भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। आयोग एक संवैधानिक संस्था है और उसकी निष्पक्षता पर जनता का भरोसा लोकतंत्र की बुनियादी शर्त है। इसलिए विपक्ष के सवालों को केवल राजनीतिक बयानबाजी कहकर खारिज करना भी उचित नहीं होगा। यदि किसी स्तर पर गड़बड़ी हुई है तो उसका पारदर्शी तरीके से जवाब सामने आना चाहिए। लोकतंत्र में सवाल पूछने का अधिकार विपक्ष को है और उन सवालों का तथ्यात्मक जवाब देना संस्थाओं की जिम्मेदारी है। हालांकि, इस पूरे विवाद का एक दूसरा पहलू भी है। क्या वोट चोरी का मुद्दा आम नागरिक की रोजमर्रा की चिंता बन पाया है? महंगाई, बेरोजगारी, सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य और स्थानीय अव्यवस्थाओं से जूझ रहे आम आदमी के लिए चुनावी प्र िया का सवाल निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है, लेकिन क्या यह उसकी प्राथमिक चिंताओं में शामिल हो पाया है? विपक्ष की लगातार कोशिशों के बावजूद इस मुद्दे को लेकर देशव्यापी जनभावना कितनी मजबूत हुई है, इसका आकलन केवल रैलियों और राजनीतिक भाषणों से नहीं किया जा सकता। दरअसल, भारतीय राजनीति में अब आरोपों की विश्वसनीयता का फैसला केवल मंचों से नहीं, बल्कि जनता के बीच उनके प्रभाव से भी होगा। विपक्ष को अपने आरोपों के समर्थन में ठोस प्रमाण और तथ्य प्रस्तुत करने होंगे, वहीं सत्तापक्ष और चुनाव आयोग को भी पारदर्शिता के साथ संदेह दूर करने होंगे। लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने या हारने का नाम नहीं है। उसकी असली ताकत निष्पक्ष चुनाव, मजबूत संस्थाओं और जनता के अटूट विश्वास में निहित है। इसलिए सवाल यह नहीं कि वोट चोरी का आरोप कौन लगा रहा है और उसका राजनीतिक लाभ किसे मिलेगा, बल्कि असली सवाल यह है कि क्या देश की चुनावी व्यवस्था पर उठ रहे सवालों का विश्वसनीय समाधान सामने आ रहा है? आखिर लोकतंत्र में आरोपों से राजनीति तो गर्म हो सकती है, लेकिन जनता का भरोसा केवल तथ्यों, पारदर्शिता और जवाबदेही से ही कायम रह सकता है।

कड़वे वचन



जीवन का यहनियम याद रखो। जो आप देने वाले हैं वह आपके पास लौटके आने वाला है। कई गुना बढ़कर आने वाला है। हर किसान यह नियम जानता है, मानता है और इस पर काम करता है। वह खेत में अच्छे व बेहतरीन बीज डालता है और फसल आने का इंतजार करता है। किसान यह जानता है मगर अफसोस है कि इंसान यह नहीं जानता। दिया कभी बेकार नहीं जाता । याद रखो दे जाना ही ल जाने का मार्ग है।

आज का राशिफल



ज्योतिषाचार्य पंडित लोकेश व्यास

पंचांगः-5 नवम्बर, 2026
दिन-गुरुवार, अश्विन शुक्ल 10
विक्रम संवत 2083

मेष चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, आ
दिन सामान्य रहने वाला है किसी की मदद करने से खुशी मिलेगी

वृष इ, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो
किसी विशेष कार्य को करने में दिन व्यतीत होगा लोगों की प्रशंसा मिल सकती है

मिथुन का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह
आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी दिन खुशनुमा रहने वाला है

कर्क ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो
मानसिक उलझनें कम हो सकती हैं खर्चों की अधिकता बनी रहेगी

सिंह मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे
दिन अनुकूल रहने वाला है माता-पिता का आशीर्वाद लेकर कार्य करें

कन्या ढो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो
धन लाभ होने के संकेत मिल रहे हैं परिवार के साथ समय व्यतीत कर सकते हैं

तुला रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते
दिन उत्तम रहने वाला है सामाजिक कार्यों में गतिविधियां बढ़ेगी

वृश्चिक ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे
स्वास्थ्य में पहले से अब सुधार होगा योग प्राणायाम अवश्य करें

धनु ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे
घर में शुभ मांगलिक कार्य हो सकते हैं मन प्रफुल्लित रहेगा

मकर भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी
साझेदारी के काम को सोच समझ कर आगे बढ़ाएं क्रोध में नियंत्रण रखें

कुंभ गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा
खर्चों की अधिकता की वजह से आर्थिक स्थिति प्रभावित रहेगी

मीन दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची
वाणी में नियंत्रण रखकर कार्य करें दिन सामान्य रहने वाला है

नदियों की गाद से बनेंगे राष्ट्रीय राजमार्ग, बिहार के विकास को मिलेगी नई गति

'नदी संजीवनी' पहल से बाढ़ नियंत्रण, जलाशयों के पुनर्जीवन और सड़क निर्माण को जोड़ने की ऐतिहासिक पहल

बिहार की नदियों में जमा गाद अब राज्य के लिए केवल बाढ़ और जलजमाव की समस्या नहीं रहेगी,बल्कि विकास का नया संसाधन बनने जा रही है। नदियों और जलाशयों से वैज्ञानिक तरीके से निकाली गई उपयुक्त गाद का उपयोग राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण में किया जाएगा। इस उद्देश्य से 3 नवंबर 2026 को नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय और बिहार सरकार के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की उपस्थिति में हुई यह पहल 'नदी संजीवनी' के माध्यम से जल प्रबंधन और आधारभूत संरचना के विकास को एक साथ जोड़ती है। इसका लक्ष्य नदियों की जलवहन क्षमता में सुधार, बाढ़ के जोखिम को कम करने और निर्माण कार्यों के लिए स्थानीय स्तर पर उपलब्ध उपयुक्त सामग्री का उपयोग करना है।बिहार जैसे बाढ़ प्रभावित राज्य के लिए इस समझौते का विशेष महत्त्व है। राज्य का बड़ा भूभाग गंगा के मैदानी क्षेत्र में स्थित है। गंगा के साथ गंडक, कोसी, बागमती, कमला-बालन, महानंदा, सोन और पुनपुन जैसी नदियाँ बिहार की जीवनरेखा हैं। नेपाल से आने वाली नदियों में वर्षा के मौसम में जलस्तर बढ़ने और उनके साथ बड़ी मात्रा में गाद आने से राज्य के अनेक जिलों में बाढ़ और जलजमाव की स्थिति उत्पन्न होती है। नदियों के तल में लगातार जमा होती गाद जलप्रवाह और जलधारण क्षमता को प्रभावित करती है। बिहार में 50 हजार से अधिक जल निकायों की मौजूदगी इस समस्या के व्यापक स्वरूप को दर्शाती है। ऐसे में वैज्ञानिक तरीके से गाद निकालने और उसका उपयोगी पुनः इस्तेमाल करने की पहल जल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम है।

इस समझौते की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें गाद को अपशिष्ट के बजाय निर्माण कार्य में उपयोगी संसाधन के रूप में देखा गया है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के आकलन के अनुसार,बिहार में निर्माणाधीन 16 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में नदियों से निकाली गई लगभग 243 लाख घन मीटर गाद का उपयोग किया जाएगा। भविष्य की 27 परियोजनाओं के लिए लगभग 835 लाख घन मीटर गाद के उपयोग का प्रस्ताव है। यह सामग्री तकनीकी परीक्षण और निर्धारित गुणवत्ता मानकों पर खरी उतरने के बाद ही सड़क निर्माण में इस्तेमाल की जाएगी। इससे सड़क निर्माण के लिए मिट्टी की उपलब्धता बढ़ेगी और प्राकृतिक ऊपरी मिट्टी के अनावश्यक दोहन को सीमित करने में मदद मिलेगी।बिहार में इस समय लगभग 1,561 किलोमीटर लंबाई की 39 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएँ निर्माणाधीन हैं, जिनकी कुल लागत करीब 58,340 करोड़ रुपये है। इसके अतिरिक्त लगभग 1,982 किलोमीटर लंबाई की 11 नई परियोजनाएँ प्रस्तावित हैं, जिनकी अनुमानित लागत करीब 75,200 करोड़ रुपये है। इन परियोजनाओं के लिए बड़े पैमाने पर निर्माण सामग्री की आवश्यकता होगी। नदियों और जलाशयों से वैज्ञानिक तरीके से निकाली गई उपयुक्त गाद इस आवश्यकता को पूरा करने में सहायक हो सकती है। इस व्यवस्था से एक ओर जल निकायों की सफाई और पुनर्जीवन को गति मिलेगी, वहीं दूसरी ओर राजमार्ग निर्माण के लिए स्थानीय संसाधनों का बेहतर उपयोग संभव होगा।केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी लंबे समय से बिहार में बाढ़ की समस्या के स्थायी समाधान के लिए व्यापक जल प्रबंधन, नदियों की ड्रेजिंग, तट संरक्षण और जल ग्रिड की अवधारणा पर जोर देते रहे हैं। पटना में आयोजित बिहार निवेशक सम्मेलन के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग और बिजली ग्रिड की तर्ज पर जल ग्रिड विकसित करने का विचार रखा था। उनका कहना था कि एक नदी बेसिन में उपलब्ध अतिरिक्त पानी को दूसरे बेसिन तक पहुँचाने की व्यवस्था से जल संसाधनों का बेहतर उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने नदियों से गाद निकालकर उसका उपयोग राजमार्ग निर्माण में करने की संभावना भी व्यक्त की थी। अब केंद्र और बिहार सरकार के बीच हुआ यह समझौता उस विचार को संस्थागत रूप देने की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के अवसर पर बिहार की गाद प्रबंधन नीति को राज्य के लिए दूरगामी महत्त्व का कदम बताया। उन्होंने कहा कि बिहार में नेपाल से आने वाली सात प्रमुख नदियों के कारण बाढ़ की चुनौती गंभीर बनी रहती है। राज्य सरकार ने इस समस्या से निपटने के लिए व्यापक गाद प्रबंधन नीति तैयार की है, ताकि नदियों में जमा गाद को विकास के संसाधन में बदला जा सके। मुख्यमंत्री ने बांका जिले के ओढ़नी बांध का उदाहरण देते हुए बताया कि गाद निकालने के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कराने पर लगभग 350 करोड़ रुपये की आवश्यकता बताई गई थी, जबकि राज्य सरकार की ओर से निविदा आमंत्रित किए जाने पर एक निजी ठेकेदार ने काम करने के बदले सरकार को 60 करोड़ रुपये देने की पेशकश की। इस उदाहरण से स्पष्ट होता है कि वैज्ञानिक और व्यावसायिक दृष्टिकोण अपनाने पर गाद प्रबंधन आर्थिक अवसर भी बन सकता है।मुख्यमंत्री ने गंगा के दोनों किनारों पर बिहार में चार लेन के मार्ग विकसित करने की संभावना पर भी ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने गंगा के जलमार्गों को व्यवस्थित करने और नदी तल से गाद निकालने के माध्यम से बड़े भूभाग को उपयोगी बनाने की संभावना का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री की दृष्टि में नदी प्रबंधन को बाढ़ नियंत्रण तक सीमित रखने के बजाय कृषि, परिवहन, औद्योगिक विकास और रोजगार से जोड़ना आवश्यक है। हालाँकि, इस प्रकार की व्यापक परियोजनाओं को आगे बढ़ाने से पहले विस्तृत तकनीकी, पर्यावरणीय और सामाजिक अध्ययन जरूरी होगा, ताकि नदी के प्राकृतिक प्रवाह और पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।इस पहल की सफलता केवल गाद निकालने की मात्रा से नहीं, बल्कि उसकी वैज्ञानिक प्रक्रिया और पर्यावरणीय सुरक्षा से तय होगी। नदियों और जलाशयों की पहचान, गाद की मात्रा का आकलन, उसकी गुणवत्ता की जाँच और उपयोग की उपयुक्तता निर्धारित करना आवश्यक होगा। सड़क निर्माण में इस्तेमाल होने वाली सामग्री को मंत्रालय तथा भारतीय सड़क कांग्रेस के निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप होना चाहिए। नदी के तटों, तटबंधों, पुलों और आसपास की बस्तियों की सुरक्षा का भी ध्यान रखना होगा। गाद की निकासी, ढुलाई और उपयोग की मात्रा का पारदर्शी रिकॉर्ड तथा नियमित निगरानी इस पूरी व्यवस्था को जवाबदेह बनाएगी। बिहार सरकार की गाद प्रबंधन नीति और केंद्र के साथ हुए इस समझौते का वास्तविक लाभ तभी मिलेगा, जब क्रियान्वयन में पर्यावरणीय संतुलन और स्थानीय समुदायों के हितों को प्राथमिकता दी जाएगी।बिहार में सड़क अवसंरचना का विस्तार भी इस पहल को विशेष महत्त्व देता है। वर्ष 2014 के बाद राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई और निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2014 के बाद राज्य की प्रमुख नदियों पर 29 नए पुलों के निर्माण की दिशा में भी काम हुआ है। बेहतर सड़क संपर्क से कृषि उत्पादों को बाजार तक पहुँचाने, औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने, पर्यटन विकसित करने और रोजगार के अवसर सृजित करने में सहायता मिलती है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने हाल ही में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से लगभग 49,751 करोड़ रुपये की चार प्रमुख सड़क एवं एक्सप्रेस-वे परियोजनाओं को शीघ्र मंजूरी देने का अनुरोध किया था।

(लेखक - विनोद सिंह 'तकियावाला')

दान की महिमा जीवन को महान बनाने का सबसे पवित्र मार्ग है

मनुष्य के जीवन की वास्तविक सार्थकता केवल धन कमाने और सुख-सुविधाओं का संग्रह करने में नहीं, बल्कि अपने अर्जित संसाधनों से दूसरों के जीवन में खुशियां लाने में है। भारतीय संस्कृति और धर्म परंपरा में दान को हमेशा सर्वोच्च स्थान दिया गया है। दान केवल धन या वस्तु देने का नाम नहीं, बल्कि करुणा, उदारता, परोपकार और मानवीय संवेदनाओं की अभिव्यक्ति है। एक प्रसिद्ध लोकोक्ति है- भीख में से भीख दे, तीन लोक जीत ले। इसका भाव यही है कि जिसके पास स्वयं बहुत कम है, वह भी अपनी सामर्थ्य के अनुसार किसी जरूरतमंद की सहायता कर सकता है। दान का मूल्य वस्तु की कीमत से नहीं, बल्कि देने वाले की भावना से निर्धारित होता है।

संतों और महापुरुषों ने कहा है कि धन की तीन गतियां होती हैं- दान, भोग और नाश। जो धन दूसरों के काम आता है, वही धन सार्थक होता है। जो व्यक्ति न स्वयं उसका सदुपयोग करता है और न किसी जरूरतमंद को देता है, उसका धन अंततः नष्ट हो जाता है। इसलिए जीवन में संचय के साथ सदुपयोग और परोपकार का भाव भी आवश्यक है। अनुभव बताता है कि केवल संग्रह करने से मनुष्य को स्थायी संतोष नहीं मिलता, जबकि दूसरों के साथ बांटने से आत्मिक आनंद और समाज में सम्मान प्राप्त होता है। यही कारण है कि भारतीय चिंतन में कहा गया है कि कमाई अपने हाथों से करो और दान हजार हाथों से करो।

प्रकृति भी हमें देने का संदेश देती है। सूर्य बिना किसी भेदभाव के प्रकाश देता है, वायु सभी को जीवन प्रदान करती है और नदियां अपना जल दूसरों के लिए बहाती हैं। वृक्ष स्वयं धूप और वर्षा सहन करके दूसरों को फल, छाया और प्राणवायु देते हैं। प्रकृति का प्रत्येक तत्व हमें सिखाता है कि जीवन का उद्देश्य केवल लेना नहीं, बल्कि देना भी है। मनुष्य प्रकृति से जीवनभर अनेक उपहार प्राप्त करता है। इसलिए उसके प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का एक मार्ग परोपकार और दान भी है। जैसे किसान खेत में बीज डालता है और कुछ समय बाद वही बीज अनेक गुना होकर लौटता है, वैसे ही निस्वार्थ भाव से किया गया दान भी जीवन में सद्भाव और पुण्य का आधार बनता है।

दान करते समय भावना की पवित्रता सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। दान का उद्देश्य किसी पर उपकार जताना, अपना नाम चमकाना अथवा प्रसिद्धि प्राप्त करना नहीं होना चाहिए। वास्तविक दानी वही है जो बिना किसी अपेक्षा के जरूरतमंद की सहायता करे। दान लेने वाले के प्रति सम्मान और विनम्रता का भाव रखना चाहिए। किसी की मजबूरी का प्रदर्शन करना या दान देकर उसका अपमान करना दान की मूल भावना के विपरीत है। सेवा का सच्चा आनंद तभी मिलता है जब देने वाले के मन में अहंकार नहीं, बल्कि करुणा और आत्मीयता हो।

दान के अनेक स्वरूप हैं। ज्ञानदान, अभयदान, वस्त्रदान, औषधदान, आवासदान और आहारदान सभी का अपना महत्व है। इनमें आहारदान को विशेष रूप से महादान माना गया है, क्योंकि भोजन जीवन का आधार है। भूखे व्यक्ति को भोजन कराना केवल उसकी भूख मिटाना नहीं, बल्कि उसे जीवन जीने की शक्ति देना है। धन, वस्त्र और अन्य सुविधाएं बाद में भी प्राप्त हो सकती हैं, लेकिन भूख की पीड़ा तत्काल भोजन मांगती है। इसलिए किसी जरूरतमंद को भोजन कराना मानवीय सेवा का अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है।

गौतम बुद्ध से जुड़ा एक प्रसंग दान की भावना को सुंदर ढंग से समझाता है। एक दिन कुछ बालक खेल रहे थे। बुद्ध वहां से गुजरे तो एक बालक ने उनसे कहा कि बाबा, दान लो। बुद्ध ने अपनी झोली फैला दी और बालक ने उसमें रेत डाल दी। शिष्य ने आश्चर्य से पूछा कि आपने रेत क्यों स्वीकार की? बुद्ध ने समझाया कि रेत का कोई विशेष मूल्य नहीं, लेकिन बालक के मन में दान करने की भावना जागी है। यदि मैं उसका दान अस्वीकार कर देता तो उसकी उदारता का भाव कमजोर हो सकता था। आज वह रेत दे रहा है, संभव है कि कल अपनी सामर्थ्य के अनुसार भोजन भी दान करे। इस प्रसंग से स्पष्ट होता है कि दान की शुरुआत छोटी भावना से होती है, लेकिन उसका प्रभाव बहुत व्यापक हो सकता है।

जैन धर्म में आहारदान का विशेष आध्यात्मिक महत्व है। श्रावक के बारह व्रतों में अतिथि संविभाग व्रत भी शामिल है। इसका आशय है कि गृहस्थ अपने भोजन में से साधु-संतों और सुपात्रों के लिए भी हिस्सा निकाले। जैन परंपरा में मुनियों को विधिपूर्वक आहारदान देना पुण्यकारी माना गया है। मान्यता है कि सुपात्रदान से कर्मों की निर्जरा होती है और आत्मकल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है। भगवान महावीर की शिक्षाओं में त्याग, संयम, अहिंसा और जीवमात्र के प्रति करुणा का जो संदेश मिलता है, उसमें दान की भावना भी महत्वपूर्ण स्थान रखती है। अन्य धर्मों में भी भोजन बांटने की परंपरा रही है। ऋग्वेद में अकेले भोजन करने की प्रवृत्ति को उचित नहीं माना गया है। गीता में भी दूसरों को भोजन कराए बिना केवल अपने लिए भोजन करने वालों के प्रति चेतावनी दी गई है। इससे स्पष्ट होता है कि भोजन बांटना किसी एक धर्म या संप्रदाय तक सीमित नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता का साझा आदर्श है।

आज के समय में जब समाज में आर्थिक असमानता और जरूरतमंदों की समस्याएं दिखाई देती हैं, तब दान की महत्ता और बढ़ जाती है। प्रत्येक परिवार अपनी सामर्थ्य के अनुसार किसी भूखे को भोजन करा सकता है, किसी जरूरतमंद विद्यार्थी की सहायता कर सकता है अथवा किसी असहाय व्यक्ति के लिए उपयोगी वस्तुएं उपलब्ध करा सकता है। दान के लिए धनवान होना आवश्यक नहीं, उदार हृदय होना आवश्यक है।

अंततः जीवन में धन का वास्तविक महत्व उसके संग्रह में नहीं, बल्कि उसके सदुपयोग में है। जो भोजन हम अकेले खा सकते हैं, उसमें से किसी भूखे का हिस्सा निकालना ही सच्ची मानवता है। दान मनुष्य को विनम्र बनाता है, समाज में प्रेम बढ़ाता है और आत्मा को संतोष प्रदान करता है। इसलिए अपनी आय, सामर्थ्य और परिस्थिति के अनुसार दान को जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। विशेषकर आहारदान के माध्यम से किसी की भूख मिटाना सबसे सहज और पुण्यकारी सेवा है। दान से हाथ खाली नहीं होते, बल्कि हृदय समृद्ध होता है। यही दान की महिमा है और यही मानव जीवन का सच्चा कल्याण मार्ग है।

(लेखक- कांतिलाल मांडोत)

युवाओं में जीवन से पलायन की खतरनाक प्रवृत्ति

युवाओं में आत्महत्या (सुसाइड) और जीवन से पलायन करने की बढ़ती प्रवृत्ति आज एक अत्यंत गंभीर और चिंताजनक सामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य मुद्दा बन चुकी है। आधुनिक जीवनशैली, अत्यधिक दबाव और सामाजिक बदलावों ने युवाओं को एक ऐसे चौराहे पर खड़ा कर दिया है जहाँ वे कई बार दिशाहीन और असहाय महसूस करने लगते हैं।विश्व स्वास्थ्य संगठन और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के वैश्विक डेटा के अनुसार, पूरी दुनिया में हर साल लगभग 7,20,000 से अधिक लोग आत्महत्या से अपनी जान गंवाते हैं।

दुनिया में हर 40 सेकंड में लगभग एक व्यक्ति आत्महत्या के कारण मर जाता है।

15 से 29 वर्ष के युवाओं के बीच दुनिया भर में मौत का यह चौथा सबसे बड़ा कारण बन चुका है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि हर एक सफल आत्महत्या के पीछे कम से कम 20 या उससे अधिक बार आत्महत्या के प्रयास किए जाते हैं।

दुनिया भर में होने वाली कुल आत्महत्याओं का लगभग 73त्न से 77त्न हिस्सा निम्न और मध्यम आय वाले देशों में होता है, जिसमें भारत भी शामिल है।

भारत सरकार के नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, भारत में हर साल लगभग 1.70 लाख से अधिक लोग आत्महत्या करते हैं।

वर्ष 2024 में भारत में कुल 1,70,746 लोगों ने आत्महत्या की, जबकि 2023 में यह संख्या 1,71,418 थी।

भारत में प्रति 1,00,000 आबादी पर आत्महत्या की दर 12.2 है।

कुल मामलों में पुरुषों की संख्या लगभग 73.5त्न है, जिसमें दिहाड़ी मजदूर और छात्र सबसे संवेदनशील समूहों में शामिल हैं।

महाराष्ट्र, तमिलनाडु और मध्य प्रदेश में देश की कुल आत्महत्याओं के करीब एक-तिहाई मामले दर्ज होते हैं।

अब आपको अक्टूबर माह के अंतिम दिन अख़बार की सुरखी बने सुसाइड मामलों की बानगी से अवगत कराते हैं ताकि आप आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं को समझें

पुणे से एक खौफनाक धटना सामने आई 30 अक्टूबर को एक महिला ने अपने 6 साल के बेटे के साथ 18वीं मंजिल से छलांग लगाकर जान दे दी. यह घटना एक हाई-प्रोफाइल सोसायटी में फुटेज में महिला अपने बेटे के साथ 18वीं मंजिल पर जाती दिखाई दे रही है पुलिस आत्महत्या के पीछे के कारणों की जांच कर रही है.मामला पुणे के पिंपरी-चिंचवड़ शहर के थेरगांव वाकड इलाके में सिग्नेचर पार्क नाम की एक हाई-प्रोफाइल सोसायटी का है, यहां 33 साल की एकता भांगड ने अपने 6 साल के बेटे माधव भांगड के साथ इमारत की 18वीं मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली. जानकारी के मुताबिक, एकता भांगड अपने पति मनोज भांगड और बेटे माधव के साथ पिछले कुछ सालों से इस सोसायटी में रह रही थी जानकारी मिलते ही वाकड पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और पंचनामा भरकर आगे की जांच शुरू की. मृतक महिला का परिवार मूल रूप से राजस्थान का रहने वाला है. वे पिछले दो सालों से इस सोसायटी की सातवीं मंजिल पर रह रहे थे. मृतक महिला का पति मनोज भांगड यरवदा स्थित एक आईटी कंपनी में काम करता है। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले से ऐसी हृदयविदारक घटना सामने आई है, जिसने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है. यहां दो सगी बहनों ने अलग-अलग जगहों पर अपने बच्चों के साथ कुएं में कूदकर जान दे दी. पहली घटना में पति की मौत के सदमे से गुजर रही 8 महीने की गर्भवती महिला ने अपने बेटे के साथ जान दी, जबकि कुछ घंटे बाद उसकी बड़ी बहन ने भी अपने तीन बच्चों के साथ कुएं में छलांग लगा दी. इन घटनाओं में दो बहनों और चार मासूम बच्चों समेत कुल 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि गर्भ में पल रहे शिशु की भी जान चली गई। इसी तरह राजस्थान की राजधानी जयपुर से इस वक्त एक हादसे में पूर्णिमा यूनिवर्सिटी की छठी मंजिल से एक छात्रा कूद गई है. छात्रा के कूदने से यूनिवर्सिटी में हड़कंप मच गया है. प्रशासन ने इलाके को सील कर जांच शुरू कर दी है. इस हादसे के बाद यूनिवर्सिटी को फिलहाल बंद कर दिया है. पूर्णिमा यूनिवर्सिटी से छात्रा से कूदने का एक सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है. इस वीडियो में छात्रा छत की छठी मंजिल पर बिल्कुल किनारे बैठी नजर आ रही है.पूर्णिमा यूनिवर्सिटी की छठी मंजिल से कूदने वाली छात्रा की पहचान यशस्वी रोहिला के रूप में हुई है. एमबीए सेकंड ईयर की स्टूडेंट है. बताया जाता है कि यशस्वी जयपुर के गुर्जर की थ्री इलाके के प्रेम नगर की रहने वाली है. शिवदासपुरा थाना की पुलिस मौके पर जांच में जुटी है.

यह आंकड़े दर्शाते हैं कि मानसिक स्वास्थ्य और आत्महत्या रोकथाम पर वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर बड़े बदलावों की तत्काल आवश्यकता है।

भारत सरकार देश में आत्महत्या की बढ़ती वारदातों को रोकने और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार के लिए बहु-स्तरीय प्रयास कर रही है। सरकार ने इसके लिए कानूनी बदलाव, डिजिटल तकनीक और जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत किया है।

सरकार द्वारा कुछ खास कदम उठाए जा रहे हैं

भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा देश की पहली राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति लागू की गई है।

इसका मुख्य उद्देश्य वर्ष 2030 तक देश में आत्महत्या मृत्यु दर में 10त्न की कमी लाना है।

इसके तहत अगले कुछ वर्षों में सभी शिक्षण संस्थानों में मानसिक कल्याण पाठ्यक्रम को शामिल करने और देश के सभी जिलों में मनोरोग ओपीडी स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है।

दूरदराज के क्षेत्रों तक मुफ्त और गोपनीय मानसिक परामर्श पहुँचाने के लिए सरकार ने डिजिटल तकनीक का बड़े पैमाने पर विस्तार किया हैदेश भर के 1.83 लाख से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (प्राथमिक स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों) में बुनियादी मानसिक स्वास्थ्य जांच और काउंसलिंग सेवाओं को एकीकृत किया गया है।समाज में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर फैले अंधविश्वास, शर्म (स्ह्लद्बद्घद्बड्ड) और रूढ़िवादिता को खत्म करने के लिए सरकार ने सामुदायिक स्तर पर जागरूकता अभियान शुरू किए हैं, ताकि लोग समय रहते मदद मांगने के लिए आगे आ सकें।इन व्यापक सरकारी रणनीतियों में केवल स्वास्थ्य मंत्रालय ही नहीं, बल्कि शिक्षा, कृषि, महिला एवं बाल विकास और सूचना एवं प्रसारण जैसे मंत्रालयों को भी एक साथ जोड़ा गया है ताकि युवाओं, किसानों और हर संवेदनशील वर्ग को सुरक्षा घेरा दिया जा सके।

(लेखक - मनोज कुमार अग्रवाल)

यात्रियों को कई जगहों पर बार-बार बोर्डिंग पास या पासपोर्ट दिखाने की जरूरत नहीं होगी

सरकार डिजी यात्रा सुविधा को अब अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों के यात्रियों के लिए शुरु करेगी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। केंद्र सरकार ने डिजी यात्रा सुविधा को अब अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों के लिए भी शुरू करने की तैयारी कर ली है। अभी तक यह सुविधा केवल घरेलू उड़ानों के यात्रियों के लिए उपलब्ध थी, लेकिन अब विदेश जाने वाले यात्री भी इसका लाभ उठा सकेंगे। इस नई सुविधा की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यात्रियों की पहचान उनके चेहरे से की जाएगी, जिससे एयरपोर्ट पर कई जगहों पर बार-बार बोर्डिंग पास या पासपोर्ट दिखाने की जरूरत कम होगी। यात्री बस कैमरे के सामने अपना चेहरा दिखाएंगे और सिस्टम उनकी पहचान की पुष्टि कर उन्हें आगे बढ़ने की अनुमति दे देगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नवंबर और दिसंबर 2026 में इस सुविधा का ट्रायल दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, कोच्चि, चेन्नई और अमृतसर समेत देश के सात प्रमुख एयरपोर्ट पर चल रहा है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के मुताबिक इस ट्रायल में फिलहाल एयर इंडिया और इंडिगो की कुछ चुनिंदा अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों को शामिल किया गया है। इसका फायदा उन भारतीय नागरिकों को मिलेगा जिनके पास ई-पासपोर्ट है और जो इन एयरलाइंस की चयनित उड़ानों से यात्रा कर रहे हैं। इस सुविधा का इस्तेमाल करने के लिए,



यात्रियों को डिजी यात्रा ऐप पर अपने ई-पासपोर्ट की मदद से एक डिजिटल पहचान बनानी होगी। इसके बाद एयरपोर्ट पर निर्धारित चेकपॉइंट्स पर चेहरे की पहचान करके पुष्टि की जा सकेगी। हालांकि, यह स्पष्ट किया गया है कि विदेश जाने के लिए यात्रियों को अभी भी अपना पासपोर्ट साथ रखना होगा और इमिग्रेशन समेत सभी जरुरी जांच प्रक्रियाओं से गुजरना होगा।

रिपोर्ट के मुताबिक डिजी यात्रा सुविधा चेहरा पहचानने वाली तकनीक पर काम करती है। इसमें, योग्य यात्रियों को सबसे पहले डिजी यात्रा मोबाइल ऐप पर अपने ई-पासपोर्ट के आधार पर एक वेरीफायबल क्रेडेंशियल यानी डिजिटल पहचान बनानी होगी। इसके लिए ई-पासपोर्ट के मशीन रीडेबल जोन को स्कैन करना होगा और एनएफसी सुविधा वाले स्मार्टफोन से पासपोर्ट में लगी चिप को पढ़ा जाएगा। इसके बाद यात्री को अपनी सेल्फी लेनी होगी और स्क्रीन पर दिख रही जानकारी को सत्यापित करना होगा। यह प्रक्रिया पूरी होने के बाद डिजिटल पहचान यात्री के फोन में मौजूद डिजी यात्रा वॉलेट में सुरक्षित हो जाएगी। एयरपोर्ट पर लगे विशेष गेट और कैमरे यात्री के चेहरे को स्कैन करते हैं और इस डिजिटल पहचान से उसका मिलान करते हैं। जानकारी सही पाए जाने पर गेट खुल जाता है और यात्री बिना किसी रुकावट के अगले

लोकतंत्र में विरोध-प्रदर्शन की कोई जगह नहीं: केरल हाईकोर्ट

तिरुअनंतपुरम(ईएमएस)। केरल उच्च न्यायालय ने संवैधानिक लोकतंत्र में विरोध-प्रदर्शन के अधिकार पर एक महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। अदालत ने स्पष्ट रूप से कहा है कि संवैधानिक लोकतंत्र में धरना, भूख हड़ताल और सत्याग्रह जैसी राजनीतिक गतिविधियों के लिए कोई स्थान नहीं है। उच्च न्यायालय की इस टिप्पणी पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रवक्ता सौरभ दास ने तंज कसते हुए अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक खबर साझा करते हुए व्यंग्यात्मक लहजे में लिखा, वाह! वाह! वाह! संवैधानिक अदालतों ने हमें बहुत-बहुत गौरवान्वित किया है! जोरदार तालियां! उनके इस पोस्ट को अदालत के कड़े रुख पर एक गहरी व्यंग्यात्मक टिप्पणी के तौर पर देखा जा रहा हैयह मामला कालडी स्थित श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय के 16 निलंबित छात्रों से जुड़ा है। 13 अगस्त 2026 को विश्वविद्यालय परिसर में छात्रों ने विभिन्न मुद्दों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया था।

अखिलेश बोले- नहीं लड़ेंगे चुनाव सीधे सीएम की शपथ लेंगे

लखनऊ(ईएमएस)।समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मंगलवार को वाराणसी से एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घोषणा की है। उन्होंने कहा कि वह 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव खुद नहीं लड़ेंगे। अखिलेश यादव ने दावा किया कि वे सीधे मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे, क्योंकि उनके लिए यही शुभ है और वे वही काम करेंगे जो उनके लिए शुभ होगा। उन्होंने काशी की किसी सीट से विधानसभा चुनाव लड़ने के सवाल के जवाब में यह बात कही।सपा प्रमुख ने अपने दावे के पीछे 2012 के उदाहरण का हवाला दिया। उन्होंने कहा, हम तब मुख्यमंत्री बनते हैं जब चुनाव नहीं लड़ते हैं। पिछली बार कहां से मुख्यमंत्री बना था बताओ? लोकसभा सेज तो फिर वहीं से आकर शपथ लूंगा। गौरतलब है कि 2012 में जब अखिलेश यादव यूपी के मुख्यमंत्री बने थे, तब वे कन्नौज से लोकसभा सांसद थे और बाद में उन्होंने अपनी लोकसभा सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था।वाराणसी में अखिलेश यादव ने योगी सरकार और भाजपा पर तीखे हमले भी बोले। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन ने समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार को एमएलसी चुनाव हरवाने की कोशिश की थी, लेकिन बाबा विश्वनाथ के आशीर्वाद से सफलता नहीं मिली। उन्होंने दालमंडी में उजाड़े गए व्यापारियों और दुकानदारों का मुद्दा उठाया और कहा कि यह 2027 के विधानसभा चुनाव में एक बड़ा मुद्दा बनेगा। सपा मुखिया ने दावा किया कि भाजपा आगामी विधानसभा चुनाव में अपने 200 विधायकों का टिकट काटने जा रही है, जो उसकी अंदरूनी कमजोरी को दर्शाता है। प्रधानमंत्री मोदी पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि मां गंगा ने जिसे बुलाया था, उन्होंने ही मां गंगा को भुला दिया है। अखिलेश ने भाजपा पर मणिकर्णिका घाट की विरासत को मिटाने की कोशिश करने का आरोप लगाया और कहा कि एमएलसी चुनाव में इसका जवाब मिल चुका है। अखिलेश यादव ने भाजपा को असली अराजक करार देते हुए उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठाए। उन्होंने बांदा में एक नवजात बच्चे को कुत्ते द्वारा नोचे जाने जैसी हृदयविदारक घटना का उल्लेख किया, जिसे उन्होंने असंवेदनशील बताया। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा जब सत्ता से जाएगी तो बनारस मुस्कुराएगा, और समाजवादी सरकार आने पर वाराणसी में मेट्रो बनाने का काम शुरू होगा। सपा प्रमुख ने बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री के भगवान श्रीकृष्ण और भगवान श्रीराम को लेकर दिए गए बयानों पर भाजपा को घेरा। उन्होंने कहा कि नकली सनातनियों के ऐसे बयानों से लोग दुखी हैं।



हाईकोर्ट ने मुख्य सचिव पर ठोका 1 लाख का जुर्माना

सरकारी कर्मचारियों का डीए रोकना पड़ा भारी

चंडीगढ़(ईएमएस)। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के बकाया महंगाई भत्ते और महंगाई राहत के भुगतान से जुड़े अपने आदेश का पालन न करने पर कड़ा रुख अपनाया है। कोर्ट ने पंजाब के मुख्य सचिव को अवमानना नोटिस जारी करते हुए उन पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है और 10 दिनों के भीतर जवाब मांगा है। मंगलवार को हुई सुनवाई में अदालत ने पूछा कि 3 अगस्त के पिछले आदेश का अब तक पालन क्यों नहीं किया गया। कर्मचारियों की ओर से आरोप लगाया गया कि सरकार न तो बकाया राशि का भुगतान कर रही है और न ही अदालत में अनुपालन रिपोर्ट दाखिल कर रही है। कार्यवाही के दौरान कोर्ट ने कड़ी टिप्पणी करते हुए सवाल किया कि सरकार ने कर्मचारियों से डीए/डीआर लाभ क्यों रोके थे, जबकि अपने सीनियर अफसरों के लाभों को क्यों नहीं रोका। सीनियर



एडवोकेट सनी सिंगला के मुताबिक, कर्मचारियों ने 3 अगस्त के आदेश का पालन नहीं होने पर अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी, इसी वजह से मामला दोबारा हाईकोर्ट पहुंचा।इस सुनवाई के दौरान पंजाब सरकार ने हाईकोर्ट को बताया कि सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) दाखिल करने की तैयारी पूरी है ।

चक्रवात मुरासु कमजोर पड़ा आंध्र-तेलंगाना और छत्तीसगढ़ में भारी बारिश का अलर्ट, दिल्ली में छाएगी धुंध

नई दिल्ली ,यशभारत। बंगाल की खाड़ी में उठा चक्रवाती तूफान मुरासु तटीय आंध्र प्रदेश से टकराने के बाद तेजी से कमजोर पड़ गया है। यह डीप डिप्रेशन में तब्दील होने के बाद अब डिप्रेशन में बदलने की ओर बढ़ रहा है। हालांकि तूफान की तीव्रता कम होने के बावजूद आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और छत्तीसगढ़ के कई इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश का खतरा बना हुआ है। मौसम विभाग ने 4 नवंबर को भी कई राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। वहीं, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सुबह के समय धुंध छाने और दिन में आसमान साफ रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार, मुरासु 3 नवंबर को तटीय आंध्र प्रदेश से टकराने के बाद जमीन के ऊपर आगे बढ़ रहा है। इसके प्रभाव से तूफान की ताकत लगातार कम हो रही है। 4 नवंबर की सुबह तक इसके डिप्रेशन में बदलने का अनुमान है। इस दौरान तूफान के केंद्र के आसपास हवा की रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे रहने और झोंकों के साथ 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की संभावना है। इसके बाद हवा की गति में भी लगातार कमी आएगी।

रिश्तों का कत्ल! जेठानी और 13 वर्षीय भतीजी को जिंदा जलाया

घरेलू कलह और ज़मीन के विवाद में देवरानी ने उठाया खौफनाक कदम

सागर, यशभारत । *बीना थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम गोदना में सोमवार देर शाम पारिवारिक रंजिश और ज़मीन के विवाद ने एक खौफनाक रूप ले लिया। आरोप है कि घरेलू कलह के चलते देवरानी ने अपनी ही जेठानी और 13 वर्षीय भतीजी को आग के हवाले कर दिया, जिससे दोनों गंभीर रूप से झुलस गईं। घटना में गंभीर रूप से घायल 35 वर्षीय गिरजाबाई ठाकुर को तुरंत बीना से लाकर सागर के बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। वहीं, उनकी 13 वर्षीय बेटी की नाजुक हालत को देखते हुए उसे बेहतर और उच्च स्तरीय उपचार के लिए भोपाल के हमीदिया अस्पताल रेफर कर दिया गया है।*

क्या है मामला?

प्राप्त जानकारी के अनुसार, परिवार में लंबे समय से घरेलू कलह और ज़मीन के बंटवारे को लेकर विवाद चला आ रहा था। सोमवार शाम यह विवाद इतना बढ़ गया कि देवर आकाश की पत्नी (देवरानी) काजल गोस्वामी ने कथित तौर पर गिरजाबाई और उनकी नाबालिग बेटी पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा दी। इतना ही नहीं, दोनों को आग की लपटों में घिरा छोड़कर कमरे का दरवाजा बाहर



से बंद कर दिया। मां-बेटी की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को उपचार के लिए बीना सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में सनसनी और दहशत का माहौल है। बीना थाना प्रभारी अनूप सिंह यादव ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस ने घटना को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। पुलिस की एक विशेष टीम बच्ची के बयान दर्ज करने के लिए भोपाल (हमीदिया अस्पताल) रवाना हो चुकी है। थाना प्रभारी के अनुसार, पीड़िता के बयानों और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी धाराओं के तहत मामला दर्ज कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस पारिवारिक कलह और जमीन विवाद सहित घटना के सभी पहलुओं की पड़ताल कर रही है। हालांकि, फिलहाल आग लगाने के आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

गुवाहाटी फायरिंग मामले में एनकाउंटर के बाद आरोपी ढेर! सब-इंस्पेक्टर की सर्विस पिस्तौल छीनने की हुई थी कोशिश

गुवाहाटी , एजेंसी। गुवाहाटी के उलुबारी इलाके में होटल बिलास इन के पास हुई गोलीबारी में पांच लोगों की मौत के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस एनकाउंटर में आरोपी घनकांत गोगोई की मौत हो गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पापोरि चेतिया ने बुधवार को बताया कि असम के शिवसागर जिले में उसे ले जाते समय उसने एक पुलिस अधिकारी की सर्विस पिस्तौल छीनने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस ने उस पर गोली चला दी। एसएसपी के अनुसार, गोगोई को शिवसागर पुलिस स्टेशन के केस नंबर-108/26 के सिलसिले में गुवाहाटी से शिवसागर लाया जा रहा था। इसी दौरान उसने फूलपानीचिगा में शौच के लिए पुलिस वाहन से बाहर निकलने की गुजारिश की।स्क्कने बताया कि जैसे ही गोगोई वाहन से बाहर निकला, उसने सब-इंस्पेक्टर देबाशीष शर्मा की सर्विस पिस्तौल छीनने की कोशिश की। देबाशीष शर्मा इस मामले के जांच अधिकारी भी थे। उन्होंने आगे बताया कि गाड़ी से बाहर निकलते समय हमारे अधिकारी की सर्विस पिस्तौल छीनने की कोशिश की। पुलिस ने यहा भी कहा कि वह एक ट्रेंड प्रोफेशनल शूटर है। उन्होंने बताया कि हाथापाई के दौरान दो-तीन राउंड फायरिंग हुई, जिसमें से दो गोलियां पुलिस की गाड़ी पर लगीं। अधिकारी को और चोट लगने या उन पर हमला होने से बचाने के लिए, टीम के साथ मौजूद एक पुलिसकर्मी ने अपनी सर्विस गन से जवाबी फायरिंग की। एसएसपी ने बताया कि इस फायरिंग में गोगोई घायल हो गया और अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई।

श्रीनगर के बेमिना में आग लगी, 2 की मौत; 80 घर जले

श्रीनगर, ईएमएस। श्रीनगर के बेमिना के दुर्बल इलाके में मंगलवार देर रात आग लग गई। हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई और करीब 80 अस्थायी घर जल गए। आग से एक खाली पोल्ट्री फार्म और एक टिपर भी क्षतिग्रस्त हो गया। दमकल विभाग, पुलिस और स्थानीय लोगों ने मिलकर आग बुझाई।

चुनाव आयोग ने फॉर्म 6 से हटाई एसआईआर घोषणा

-दो आयुक्तों की आपत्ति के बाद बदला फैसला

नई दिल्ली(ईएमएस)। चुनाव आयोग ने मतदाता पंजीकरण प्रक्रिया में बड़ा बदलाव करते हुए ऑनलाइन फॉर्म 6 से स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) से जुड़ी घोषणा को अलग कर दिया है। अब नए मतदाताओं को पोर्टल पर मतदाता पंजीकरण और एसआईआर घोषणा के लिए अलग-अलग फॉर्म भरने होंगे। आयोग का यह फैसला ऐसे समय आया है, जब फॉर्म 6 से जुड़ी घोषणा शामिल करने के फैसले पर आयोग के दो चुनाव आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने आपत्ति जताई थी, इसे नियमों के अनुरूप नहीं बताया था। यह पिछले छह हफ्तों में फॉर्म 6 को लेकर आयोग का तीसरा रुख था।

पहले ऑनलाइन फॉर्म 6 में सेक्शन जे और के के बीच एसआईआर से जुड़ी यह घोषणा शामिल थी, जिसमें



आवेदक को तीन विकल्पों में से किसी एक का चयन करना अनिवार्य होता था। इसमें बताना होता था कि क्या उसका नाम, या उसके माता-पिता/दादा-दादी का नाम 2000 के शुरुआती वर्षों में हुई पिछली एसआईआर के दौरान मतदाता सूची में था। इस घोषणा का जवाब दिए बिना आवेदक आगे की प्रक्रिया पूरी नहीं कर सकता था। चुनाव आयुक्त विवेक जोशी ने 16 मई को इस बदलाव पर आपत्ति दर्ज कराई थी, उनका कहना था कि फॉर्म में इस तरह के बदलाव के लिए कानूनी संशोधन जरूरी है। सुखबीर सिंह संधू ने भी इसे अनधिकृत और अवैध बताते हुए तत्काल हटाने की बात कही थी। उनका तर्क था कि फॉर्म 6 का प्रारूप मतदाता पंजीकरण नियम, 1960 के तहत निर्धारित है, जिसमें संशोधन का अधिकार केवल केंद्र सरकार के पास है।

जम्मू-पुंछ में तीन टनल पर आवाजाही शुरु, पहाड़ी और जोखिम भरे रास्तों से मिली राहत

राजौरी,(ईएमएस)। जम्मू से पुंछ तक सीमावर्ती क्षेत्रों की कनेक्टिविटी मजबूत करने और सामरिक दृष्टि से अहम जम्मू-पुंछ राष्ट्रीय राजमार्ग 144ए को आधुनिक स्वरूप देने की दिशा में तेजी से काम जारी है। इस मार्ग पर तीन अहम टनल कंडी, सुंगल और नौशहरा का निर्माण पूरा होने के बाद इन्हें आवाजाही के लिए खोल दिया गया है। वहीं, चौथी टनल बटादुलियां का निर्माण कार्य भी अंतिम चरण में है। इसके पूरा होने से जम्मू-पुंछ हाईवे पर सफर और ज्यादा सुगम हो जाएगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीमा सड़क संगठन की ओर से इस अहम राजमार्ग पर सड़क और सुरंगों के निर्माण का काम युद्ध स्तर पर जारी है। इस परियोजना का उद्देश्य न केवल जम्मू संभाग के सीमावर्ती जिलों राजौरी और पुंछ को बेहतर सड़क संपर्क उपलब्ध करवाना है, बल्कि एलओसी से सटे अग्रिम क्षेत्रों तक सुरक्षाबलों की आवाजाही को भी तेज और सुविधाजनक बनाना है। तीन टनल शुरू होने के बाद अब इस मार्ग पर यात्रा करने वाले लोगों को पहाड़ी रास्तों के कई कठिन और जोखिम भरे हिस्सों से राहत मिल रही है।

अवैध शराब के खिलाफ हाईलेवल मीटिंग सीएम ने कहा- नेटवर्क ध्वस्त करो

भोपाल, यशभारत। देवास में अवैध शराब पकड़ने के दौरान पुलिस अधिकारी की मौत के मामले में मध्यप्रदेश सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को पांच जिलों में फैले अवैध शराब कारोबार के नेटवर्क को ध्वस्त करने और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री निवास पर मंगलवार को हुई उच्चस्तरीय बैठक में ड्रग्स माफिया, अवैध शराब कारोबार और संगठित अपराधों के खिलाफ प्रदेशव्यापी अभियान की रणनीति भी तय की गई।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र



मोदी के वर्ष 2029 तक ड्रग्स माफिया के खिलाफ कठोर कार्रवाई के संकल्प के अनुरूप मध्य प्रदेश में प्रभावी कार्ययोजना बनाई जाए। इसके लिए पुलिस को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने और मजबूत मैकेनिज्म तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं उन्होंने कहा कि जिस तरह प्रदेश ने नक्सलवाद के खिलाफ अभियान में सफलता हासिल कर निर्धारित समय-सीमा में नक्सलवाद से मुक्ति पाई, उसी तरह ड्रग्स और संगठित अपराधों के खिलाफ भी निर्णायक कार्रवाई की जाएगी। अवैध शराब के परिवहन और भंडारण पर रोक लगाने के लिए पूरे प्रदेश में एक साथ अभियान चलाया जाएगा।

टीआई दिलीप पुरी हत्याकांडः दो आरोपियों का हाफ एनकाउंटर पुलिस पर हमला कर भागने की कोशिश में पैर में लगी गोली

देवास,यशभारत। देवास में टीआई दिलीप पुरी की हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों का अलग-अलग स्थानों पर शॉर्ट एनकाउंटर किया है। दोनों आरोपियों के दाहिने पैर में गोली लगी है। पुलिस के



अनुसार, गिरफ्तारी के बाद दोनों ने पुलिस अभिरक्षा से भागने की कोशिश की और इस दौरान पुलिसकर्मियों पर हमला कर हथियार छीन लिए। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने गोली चलाई। घायल आरोपियों को प्राथमिक उपचार के बाद इंदौर रेफर किया गया है। पुलिस के मुताबिक, हत्याकांड का मुख्य आरोपी गजेंद्र उर्फ अक्कू राठौर को अलीराजपुर से गिरफ्तार किया गया था। पुलिस टीम उसे लेकर खातेगांव आ रही थी। इसी दौरान रास्ते में पुलिस वाहन का टायर पंचर हो गया। पुलिसकर्मी जब टायर बदलने में जुटे थे, तभी आरोपी ने पुलिसकर्मी की बंदूक छीनकर फायरिंग कर दी। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें गजेंद्र के दाहिने पैर के निचले हिस्से में गोली लगी। उसे प्राथमिक उपचार के बाद वैस्कुलर इंटरवेंशन के लिए इंदौर के अरविंदो अस्पताल भेजा गया, जहां उसका उपचार जारी है। इसी मामले में दूसरे आरोपी धीरज का भी पुलिस ने शॉर्ट एनकाउंटर किया। पुलिस के अनुसार, धीरज पुलिस अभिरक्षा से भागने की कोशिश कर रहा था। उसने पुलिसकर्मी से हथियार छीनकर हमला करने का प्रयास किया। पुलिस ने उसे चेतावनी दी, लेकिन वह नहीं रुका। इसके बाद आत्मरक्षा में पुलिस ने गोली चलाई, जो उसके दाहिने पैर में लगी। घायल धीरज को देवास जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से हालत को देखते हुए इंदौर रेफर कर दिया गया। उसकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। देवास सीएसपी सुमित अग्रवाल के मुताबिक, मुख्य आरोपी गजेंद्र ने गिरफ्तारी के बाद पुलिस टीम पर हमला कर फायरिंग की थी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में उसे गोली मारी। दूसरे आरोपी के खिलाफ भी पुलिस अभिरक्षा से भागने और पुलिसकर्मी पर हमला करने की स्थिति में कार्रवाई की गई। दोनों घटनाओं के बाद पुलिस मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

देश के कई राज्यों में तेज हुई सियासी हलचलः दिवाली के बाद बड़े उलटफेर की आशंका

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के विभिन्न राज्यों में इन दिनों तेज सियासी हलचल देखने को मिल रही है, जिससे आने वाले समय में बड़े राजनीतिक उलटफेर की आशंका बढ़ गई है। कहीं मौजूदा सरकारों के गिरने की अटकलें हैं, कहीं प्रमुख राजनीतिक दलों में टूट की खबरें सामने आ रही हैं। माना जा रहा है कि दिवाली के बाद कई राज्यों में बड़ा सियासी धमाका हो सकता है। जहां जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस को बड़ा झटका लगा है, जहां पार्टी के 21 विधायकों ने बगावत कर दी है। खबर है कि ये बागी विधायक दिल्ली में आलाकमान से मुलाकात का समय मांग रहे हैं। इस घटनाक्रम से राज्य में सियासी माहौल गरमा गया है और उमर सरकार पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं।

देश में हर तीसरी मौत सरकारी रिकॉर्ड से गायब महिलाओं का पंजीकरण सबसे कमजोर

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में होने वाली हर तीसरी मौत सरकारी रिकॉर्ड से बाहर रह जाती है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5) के आंकड़ों के अनुसार देश में कुल मौतों में से केवल 70.8 प्रतिशत का ही पंजीकरण हो पा रहा है। इसमें भी महिलाओं की स्थिति पुरुषों से ज्यादा खराब है। पुरुषों की 73 प्रतिशत मौतें दर्ज हुईं, जबकि महिलाओं के मामले में यह आंकड़ा महज 64 प्रतिशत रहा। जिलावार आंकड़ों के विश्लेषण में सामने आया कि देश के 707 जिलों में से 122 जिलों में महिलाओं की 40 प्रतिशत से भी कम मौतें सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज हुईं। यानी इन जिलों में महिलाओं की 60 प्रतिशत से अधिक मौतों का कोई आधिकारिक रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है।



बिहार-झारखंड में हालात सबसे चिंताजनक

महिलाओं की मृत्यु के पंजीकरण में बिहार और झारखंड की स्थिति बेहद खराब है। बिहार के 38 जिलों में से 37 में महिलाओं की मौतों का पंजीकरण 60 प्रतिशत से कम रहा। झारखंड में भी लगभग यही स्थिति है। अरुणाचल प्रदेश के कुरुंग कुमे जिले में महिलाओं की केवल 5 प्रतिशत मौतें ही दर्ज की गईं। ये आंकड़े बताते हैं कि ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में मृत्यु पंजीकरण व्यवस्था की पहुंच अभी भी सीमित है।

सामाजिक सोच और जागरूकता की कमी बड़ी वजह

महिलाओं की मौतों का पंजीकरण कम होने के पीछे सामाजिक सोच भी बड़ी वजह है। कई परिवारों में जमीन और मकान के उत्तराधिकार के लिए पुरुष की मृत्यु का रिकॉर्ड जरूरी समझा जाता है, जबकि महिलाओं के मामले में इसे प्राथमिकता नहीं दी जाती। घर पर महिला की मौत होने पर कई बार परिवार पंजीकरण की प्रक्रिया ही शुरू नहीं करता। गरीब परिवारों में जरूरी दस्तावेजों और मृत्यु प्रमाणपत्र के महत्व की जानकारी का अभाव भी समस्या बढ़ाता है।



दोमुंहे बालों से पाना चाहते हैं छुटकारा, तो अप्लाई करें ये केमिकल फ्री हेयर पैक

नई दिल्ली, एजेंसी। दोमुंहे बालों की वजह से न केवल आपके बालों की खूबसूरती पर नेगेटिव असर पड़ता है बल्कि आपकी हेयर ग्रोथ भी रुक जाती है। अगर आप अपने बालों की लंबाई को बढ़ाना चाहते हैं, तो आपके लिए दोमुंहे बालों की समस्या से छुटकारा पाना बेहद जरूरी है। आइए एक ऐसे हेयर पैक की रेसिपी के बारे में जानकारी हासिल करते हैं, जो इस हेयर प्रॉब्लम को दूर करने में कारगर साबित हो सकती है।

कैसे बनाएं हेयर पैक?

घर पर हेयर पैक बनाने के लिए आपको शहद और केले की जरूरत पड़ेगी। सबसे पहले आपको एक कटोरी में एक पके हुए केले के छोटे-छोटे टुकड़े करने हैं। अब आपको इन टुकड़ों को अच्छी तरह से मैश कर लेना है। इसके बाद इसी कटोरी में 2 से 4 स्पून शहद भी निकाल लीजिए। आखिर में आपको इन दोनों नेचुरल चीजों को मिक्स करके एक स्मूद पेस्ट तैयार कर लेना है।

इस्तेमाल करने का तरीका

आइए इस हेयर पैक को हेयर केयर रूटीन में शामिल करने के सही तरीके के बारे में भी जानकारी हासिल कर लेते हैं। आपको इस केमिकल फ्री हेयर पैक को अपने बालों पर अच्छी तरह से अप्लाई कर लेना है। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए लगभग 30 मिनट तक इस पैक को लगाए रखें। आधे घंटे के बाद आप हेयर वॉश कर सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि हेयर वॉश के लिए किसी भी माइल्ड शैंपू का इस्तेमाल किया जा सकता है।

बालों के लिए फायदेमंद

इस हेयर पैक की मदद से आपको दोमुंहे बालों की समस्या से छुटकारा मिल सकता है। इसके अलावा केले और शहद में पाए जाने वाले तत्व आपकी हेयर ग्रोथ को बूस्ट करने में भी कारगर साबित हो सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि रूखे और बेजान बालों को मुलायम और चमकदार बनाने के लिए भी इस हेयर पैक को हेयर केयर रूटीन का हिस्सा बनाया जा सकता है।

हल्के पड़ने लग जाएंगे दाग-धब्बों के निशान, बस लगा लीजिए ये केमिकल फ्री फेस पैक



नई दिल्ली, एजेंसी। क्या आप भी फ्लॉलेस स्किन पाना चाहते हैं? अगर हां, तो यकीन मानिए इसके लिए आपको पार्लर में जाकर महंगे-महंगे ब्यूटी ट्रीटमेंट्स पर ज्यादा पैसे खर्च करने की जरूरत नहीं है। आप घर बैठे भी बेदाग त्वचा पा सकते हैं। दाग-धब्बों की समस्या से छुटकारा पाने के लिए भी इस फेस पैक का इस्तेमाल किया जा सकता है। आइए पोषक तत्वों से भरपूर इस फेस पैक को बनाने के बेहद आसान तरीके के बारे में जानते हैं।

कैसे बनाएं फेस पैक?

इस फेस पैक को बनाने के लिए आपको महज दो चीजों की जरूरत पड़ेगी। सबसे पहले एक कटोरी में दो स्पून आलू का रस निकाल लीजिए। अब इसी कटोरी में एक स्पून शहद निकाल लीजिए। इसके बाद आपको इन दोनों चीजों को अच्छी तरह से मिक्स कर एक स्मूद पेस्ट तैयार कर लेना है। अब आप इस पेस्ट यानी फेस पैक को अपने स्किन केयर रूटीन का हिस्सा बना सकते हैं।

इस्तेमाल करने का तरीका

आपको इस फेस पैक को अपने पूरे चेहरे पर और गर्दन वाले हिस्से पर अप्लाई कर लेना है। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए रात में सोने से पहले इस फेस पैक को लगाएं। थोड़ी देर तक इस फेस पैक को अप्लाई करके रखें और फिर फेस वॉश कर लें। आपको महज कुछ ही हफ्तों में खुद-ब-खुद पॉजिटिव असर दिखाई देने लगेगा। हालांकि, इस फेस पैक को अपने पूरे चेहरे पर अप्लाई करने से पहले आपको पैच टेस्ट करना नहीं भूलना चाहिए।

त्वचा के लिए फायदेमंद

इस फेस पैक की मदद से न केवल चेहरे पर निकलने वाले दाग-धब्बों को काफी हद तक कम किया जा सकता है बल्कि आपकी रूखी और बेजान त्वचा को मुलायम भी बनाया जा सकता है। इस फेस पैक में पाए जाने वाले तमाम औषधीय गुण आपकी त्वचा की रंगत को सुधारने में भी कारगर साबित हो सकते हैं। कुल मिलाकर ये फेस पैक आपकी त्वचा की सेहत के लिए वरदान साबित हो सकता है।



टूटते-झड़ते बालों के लिए रामबाण इलाज, इन तीन नेचुरल चीजों को मिक्स करके बनाएं हेयर पैक

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आपके बाल बहुत ज्यादा टूट रहे हैं या फिर झड़ने लगे हैं, तो आपको अपने बालों की जड़ों को मजबूत बनाने की जरूरत है। हेयर फॉल होने का मतलब है कि आपके बालों में पोषण की कमी पैदा हो गई है। अगर आप अपनी हेयर हेल्थ को सुधारना चाहते हैं, तो आप घर पर ही हेयर पैक बना सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि नेचुरल हेयर पैक बनाने के लिए आपको 2 स्पून मेथी दाना, 4 स्पून नारियल का तेल और एक स्पून प्याज के रस की जरूरत पड़ेगी।

कैसे बनाएं हेयर पैक?

सबसे पहले आपको मेथी दाने को एक गिलास पानी में रात भर के लिए भिगोकर छोड़ देना है। अब अगली सुबह भीगे हुए मेथी दाने को पीसकर एक पेस्ट तैयार कर लीजिए। इसके बाद एक कटोरी में मेथी दाने के पेस्ट के साथ-साथ नारियल का तेल और प्याज का रस भी निकाल लीजिए। आपको इन तीनों चीजों को अच्छी तरह से मिक्स करना है और आपका केमिकल फ्री हेयर पैक इस्तेमाल करने के लिए तैयार है। आपको इस हेयर पैक को न केवल अपनी स्कैल्प पर बल्कि अपने बालों पर भी अच्छी तरह से अप्लाई कर लेना है। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए आप हल्के हाथों से मालिश भी कर सकते हैं। आपको इस हेयर पैक को लगभग आधे घंटे तक अपने बालों पर लगाए रखना है। 30-45 मिनट के बाद आप हेयर वॉश कर सकते हैं।

ऑयली स्किन से पाना चाहते हैं छुटकारा, तो घर पर ऐसे बनाएं नेचुरल टोनर

नई दिल्ली, एजेंसी। क्या आपकी स्किन ऑयली है यानी क्या आपकी त्वचा पर भी एक्सेस ऑइल मौजूद रहता है? अगर हां, तो त्वचा से जुड़ी इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप नेचुरल टोनर को अपने स्किन केयर रूटीन का हिस्सा बना सकते हैं। ऑषधीय गुणों से भरपूर ये टोनर आपकी त्वचा की सेहत के लिए वरदान साबित हो सकता है। आइए इस टोनर को बनाने के और इस्तेमाल करने के सही तरीके के बारे में जानकारी हासिल करते हैं।

कैसे बनाएं टोनर?

टोनर बनाने के लिए आपको गुलाब जल और एलोवेरा जेल की जरूरत पड़ेगी। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए ध्यान रहे कि दोनों ही चीजें फ्रेश होनी चाहिए। सबसे पहले एक बड़े कटोरे में



एक कप गुलाब जल निकाल लीजिए। अब इसी कटोरे में हाफ कप एलोवेरा जेल निकालकर इन दोनों चीजों को अच्छी तरह से मिक्स कर लीजिए। आप इस नेचुरल टोनर को किसी भी स्प्रे बॉटल में स्टोर करके रख सकते हैं।

इस्तेमाल करने का तरीका

आप इस केमिकल फ्री टोनर को अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल कर सकते हैं। सबसे पहले चेहरे को अच्छी तरह से साफ कर लीजिए। अब अपने पूरे फेस पर इस टोनर को स्प्रे कर अप्लाई कर लीजिए। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए थोड़ी देर तक इस टोनर को अपने चेहरे पर लगाए रखें। मुंह धोने के बाद आपको खुद-ब-खुद पॉजिटिव असर महसूस होने लगेगा। आपको हर रोज निमय से इस टोनर को दिन में एक बार यूज करना है।

त्वचा के लिए फायदेमंद

इस टोनर में पाए जाने वाले तत्व आपकी त्वचा पर मौजूद एक्सेस ऑइल को रिमूव करने में कारगर साबित हो सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि ये टोनर न केवल ऑयली स्किन से छुटकारा दिलाने में बल्कि आपकी त्वचा को हाइड्रेटेड रखने में भी मददगार साबित हो सकता है। स्किन की फ्रेशनेस को बरकरार रखने के लिए भी इस टोनर का इस्तेमाल किया जा सकता है।

भारत में प्लास्टिक करेंसी की तैयारी, 2027 से 10 और 20 रुपये के नोटों का परीक्षण संभव

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) देश में प्लास्टिक करेंसी शुरू करने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। रिपोर्टों के मुताबिक, आरबीआई एक अप्रैल 2027 से 10 और 20 रुपये के प्लास्टिक नोटों का क्षेत्रीय परीक्षण शुरू कर सकता है। इसके लिए नए नोटों का आकार मौजूदा कागज के नोटों के समान रखने की योजना है। ऐसा होने पर बैंकों को एटीएम मशीनों में तकनीकी बदलाव कराने की जरूरत नहीं पड़ेगी और इस पर होने वाला अतिरिक्त खर्च बच सकेगा। योजना के अनुसार, प्लास्टिक के नए नोटों की लंबाई और चौड़ाई पहले की तरह ही रखी जाएगी। दरअसल, नोटों का आकार बदलने पर एटीएम में लगे सेंसर, नोट रखने की व्यवस्था और अन्य तकनीकी सुविधाओं में बदलाव करना पड़ सकता है। इसके लिए बैंकों को मशीनों को नए आकार के अनुरूप तैयार कराना होगा, जिससे उन पर आर्थिक बोझ बढ़ सकता है। इससे पहले 100 और 200 रुपये के नए नोट जारी किए जाने के दौरान देशभर में करीब 2.4 लाख एटीएम मशीनों में बदलाव करना पड़ा था। इस प्रक्रिया पर एटीएम उद्योग को लगभग 100 करोड़ रुपये खर्च करने पड़े



थे। ऐसे में नए प्लास्टिक नोटों का आकार पहले जैसा रखने से इस तरह के बड़े खर्च से बचा जा सकता है। एक बैंक अधिकारी के मुताबिक, यदि किसी बैंक के पास 8,500 एटीएम हैं तो नोटों का आकार नहीं बदलने से उसे शुरुआती स्तर पर करीब 21.25 करोड़ रुपये की बचत हो सकती है। प्लास्टिक नोटों के शुरुआती परीक्षण के दौरान इन्हें बैंक शाखाओं के काउंटर से भी उपलब्ध कराया जा सकता है। इससे लोगों तक नए नोट पहुंचाने और उनके इस्तेमाल का परीक्षण करने में मदद मिलेगी। प्लास्टिक नोट तैयार करने के लिए आरबीआई की सहयोगी कंपनी भारतीय रिजर्व बैंक नोट मुद्रण प्राइवेट लिमिटेड ने निविदा जारी की है। इस प्रक्रिया में छह कंपनियों ने बोली लगाई है। इनमें भारतीय कंपनी यूफ्लेक्स भी शामिल है, जिसने अमेरिकी कंपनी स्पेक्ट्रा सिस्टम्स के साथ साझेदारी की है। कंपनियों की ओर से विशेष प्लास्टिक शीट की आपूर्ति की जाएगी। निविदा के तहत 10 और 20 रुपये के नोटों के निर्माण के लिए कुल 68 हजार रीम विशेष प्लास्टिक शीट खरीदी जाएंगी। ये शीट द्विअक्षीय अभिविन्यस्त पॉलीप्रोपाइलीन यानी बीओपीपी से तैयार होंगी। इन पर विशेष कोटिंग की जाएगी, जिससे नोटों पर छपाई बेहतर हो सके और स्याही सतह पर आसानी से चिपक सके। इस सामग्री से नोटों को अधिक टिकाऊ बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा के मुताबिक, प्लास्टिक के नोट सामान्य कागज के नोटों की तुलना में दो से चार गुना अधिक समय तक चल सकते हैं। हालांकि, इन्हें बड़े स्तर पर जारी करने से पहले भारत के मौसम और इस्तेमाल की परिस्थितियों में इनकी जांच की जाएगी। इसके तहत यह देखा जाएगा कि अलग-अलग तापमान और सामान्य उपयोग के दौरान नोट कितने समय तक सुरक्षित और उपयोगी बने रहते हैं।

खुदरा कारोबार में ई-इनवॉइसिंग की तैयारी 1 अप्रैल 2027 से शुरू हो सकता है परीक्षण



नई दिल्ली, एजेंसी। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का दायरा बढ़ाने और कर चोरी पर अंकुश लगाने के लिए सरकार खुदरा कारोबार में ई-इनवॉइसिंग व्यवस्था लागू करने की तैयारी कर रही है। इसके तहत एक अप्रैल 2027 से चुनिंदा व्यावसायिक क्षेत्रों में पायलट परियोजना शुरू की जा सकती है। नई व्यवस्था में दुकानदारों और कारोबारियों को आम ग्राहकों को जारी किए जाने वाले बिलों का इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड रखना होगा। घटनाक्रम से जुड़े सरकारी अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी है। इस पहल का प्रमुख उद्देश्य खुदरा कारोबार में होने वाले लेनदेन की निगरानी बढ़ाना और वास्तविक बिक्री का जीएसटी रिटर्न में घोषित आंकड़ों से मिलान करना है। फिलहाल कारोबारी अपने रिटर्न में कुल बिक्री का विवरण देते हैं। प्रत्येक ग्राहक को जारी किए गए बिल की अलग-अलग जानकारी देना अनिवार्य नहीं है। नई व्यवस्था लागू होने पर कर अधिकारी व्यक्तिगत बिलों के आधार पर बिक्री और कर भुगतान की जांच कर सकेंगे। वर्तमान व्यवस्था के तहत सालाना पांच करोड़ रुपये से अधिक कारोबार करने वाले व्यवसायों को दूसरे कारोबारियों को जारी किए जाने वाले बिलों का विवरण सरकारी पोर्टल पर इलेक्ट्रॉनिक रूप से दर्ज करना होता है। इसे कारोबार से कारोबार यानी बी2बी लेनदेन कहा जाता है। अब सरकार इस व्यवस्था का विस्तार कारोबार से उपभोक्ता यानी बी2सी लेनदेन तक करने पर विचार कर रही है। इससे दुकानों और अन्य खुदरा प्रतिष्ठानों में होने वाली बिक्री का रिकॉर्ड भी डिजिटल रूप में उपलब्ध होगा। खुदरा ई-इनवॉइसिंग को लेकर सितंबर 2024 में हुई जीएसटी परिषद की 54वीं बैठक में भी चर्चा की गई थी। परिषद ने चुनिंदा क्षेत्रों और राज्यों में इस व्यवस्था का स्वैच्छिक परीक्षण करने की सिफारिश की थी। प्रस्ताव के अनुसार, शुरुआत में कारोबारियों को स्वेच्छा से डिजिटल बिल जारी करने और उनका रिकॉर्ड रखने का अवसर दिया जा सकता है।

भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते को लागू करने की तैयारियां तेज, दिसंबर में हस्ताक्षर की योजना

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और यूरोपीय संघ के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते को लागू करने से जुड़े मुद्दों पर चर्चा शुरू हो गई है। इस समझौते पर दिसंबर में हस्ताक्षर किए जाने की योजना है। वाणिज्य मंत्रालय के आधिकारिक बयान के अनुसार, वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने पिछले सप्ताह ब्रसेल्स यात्रा के दौरान यूरोपीय संघ के अधिकारियों के साथ बैठक कर समझौते के क्रियान्वयन की तैयारियों पर विचार-विमर्श किया। राजेश अग्रवाल ने यूरोपीय आयोग के व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा महानिदेशालय की डिट्टे जुल जॉर्गनस, अंतरराष्ट्रीय साझेदारी महानिदेशालय के कोएन डोएन्स और कराधान एवं सीमा शुल्क संघ महानिदेशालय के गेरासिमोस थॉमस से मुलाकात की। इन बैठकों में



समझौते को लागू करने के लिए जरूरी प्रक्रियाओं और दोनों पक्षों के बीच व्यापारिक सहयोग को सुगम बनाने के उपायों पर चर्चा हुई। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, बातचीत का प्रमुख विषय सीमा शुल्क सहयोग, व्यापार सुगमता और मुक्त व्यापार समझौते को लागू करने की तैयारियां रहा। दोनों पक्षों ने माना कि कारोबारियों को बेहतर सुविधाएं देने, लेनदेन की लागत कम करने और वैध व्यापार की आवाजाही सुचारु बनाए रखने के लिए सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को अधिक कुशल और पारदर्शी बनाना जरूरी है। बैठक में डिजिटल तकनीक से सक्षम सीमा शुल्क व्यवस्था के महत्व पर भी जोर दिया गया। दोनों पक्षों का मानना है कि प्रक्रियाओं को सरल और पारदर्शी बनाने से आयात-निर्यात से जुड़े कारोबारियों को लाभ मिलेगा। इससे व्यापारिक लेनदेन में लगने वाला समय और खर्च कम करने के साथ ही सीमा शुल्क संबंधी औपचारिकताओं को पूरा करना आसान हो सकेगा। भारत और यूरोपीय संघ ने 27 जनवरी को मुक्त व्यापार समझौते के लिए बातचीत पूरी होने की घोषणा की थी। इस समझौते से भारत के श्रम आधारित क्षेत्रों को यूरोपीय बाजार में शुल्क मुक्त पहुंच मिलने की उम्मीद है।

बीएस-7 उत्सर्जन मानकों पर वाहन निर्माताओं को मिल सकती है राहत, समयसीमा बढ़ाने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में बढ़ते प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए प्रस्तावित बीएस-7 उत्सर्जन मानकों को लेकर वाहन निर्माताओं को कुछ राहत मिलने की उम्मीद है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने नए नियमों पर संबंधित पक्षों से सुझाव और आपत्तियां मांगी हैं। सरकार का उद्देश्य प्रदूषण नियंत्रण के लिए कड़े मानक लागू करना है, लेकिन वाहन उद्योग की ओर से उठाई गई व्यावहारिक समस्याओं पर भी विचार किया जा रहा है। हालांकि, राहत किस रूप में और कितनी मिलेगी, इसे लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है। वाहन निर्माताओं के संगठन सियाम ने मंत्रालय को पत्र लिखकर भारी वाहनों के टायर और ब्रेक से निकलने वाले प्रदूषण को नियंत्रित करने से जुड़े नियमों की समयसीमा बढ़ाने का सुझाव दिया है। संगठन का कहना है कि इन नियमों को अप्रैल 2031 के बजाय अप्रैल 2035 से लागू किया जाना चाहिए। इस मांग में बस और ट्रक जैसे भारी वाहन शामिल हैं। वाहन उद्योग का मानना है कि नए प्रावधानों को लागू करने के लिए कंपनियों को अतिरिक्त समय की जरूरत



होगी। मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि सरकार पर्यावरण संरक्षण और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बीएस-7 मानकों को लागू करने के अपने फैसले पर कायम है। हालांकि, वाहन निर्माताओं की चिंताओं पर बातचीत के रास्ते खुले हैं। मंत्रालय ने प्रस्तावित नियमों को लेकर सभी संबंधित पक्षों से सुझाव और आपत्तियां मांगी हैं, ताकि अंतिम व्यवस्था तैयार करते समय तकनीकी और व्यावहारिक पहलुओं पर भी विचार किया जा सके। प्रस्ताव के अनुसार, एक अप्रैल 2029 से निर्मित होने वाली सभी नई यात्री कारों के मॉडलों पर बीएस-7 उत्सर्जन मानक लागू किए जाने हैं। इसके बाद एक अप्रैल 2030 से एन-1 श्रेणी के हल्के मालवाहक वाहनों को भी इन मानकों के दायरे में लाने का प्रस्ताव है। इन नियमों का उद्देश्य वाहनों से निकलने वाले हानिकारक प्रदूषकों की मात्रा को निर्धारित सीमा में रखना है। भारी वाहनों के लिए पहली समयसीमा एक अप्रैल 2031 तय की गई है। इस चरण में एम-2, एम-3, एन-2 और एन-3 श्रेणी के वाहन शामिल होंगे। इनमें बसों और भारी मालवाहक वाहनों की विभिन्न श्रेणियां आती हैं। इनके लिए कार्बन मोनोऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड और सूक्ष्म कणों जैसे प्रदूषकों को नियंत्रित करने के प्रावधान लागू करने की योजना है। बीएस-7 मानकों के अगले चरण में हल्के मालवाहक वाहनों के टायर और ब्रेक से निकलने वाले कणों को नियंत्रित करने के नियम शामिल किए गए हैं। एक अप्रैल 2032 से एन-1 श्रेणी के वाहनों के लिए ब्रेक से निकलने वाले कणों की सीमा, बैटरी की आयु और टायर से होने वाले उत्सर्जन से जुड़े प्रावधान लागू करने का प्रस्ताव है। इसका उद्देश्य केवल इंजन से निकलने वाले धुएं ही नहीं, बल्कि वाहन के अन्य हिस्सों से पैदा होने वाले प्रदूषण पर भी नियंत्रण करना है।

हार्दिक पांड्या छोड़ेंगे मुंबई इंडियंस का साथ

पंजाब किंग्स में ट्रेड होने की बड़ी खबर, अर्शदीप सिंह जाएंगे एमआई!

मुंबई, यशभारत। आईपीएल 2027 के 20वें सीजन के आगाज होने से पहले एक चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है। पिछले सीजन में मुंबई इंडियंस की कप्तानी करने वाले स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या आगामी सीजन में पंजाब किंग्स की जर्सी में नजर आ सकते हैं।



दरअसल, रिपोर्ट्स के मुताबिक, मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स के बीच हार्दिक पांड्या को लेकर एक बड़े ट्रेडज यानी खिलाड़ियों की अदला-बदली पर बातचीत अंतिम दौर में पहुंच चुकी है।

पंजाब किंग्स में जाएंगे पांड्या?

दरअसल, स्पोर्टस्टार की एक रिपोर्ट के अनुसार, पंजाब किंग्स ट्रेड विंडो के जरिए हार्दिक पांड्या को अपनी टीम में शामिल करने के समझौते के बेहद करीब पहुंच गई है। मुख्य कोच रिकी पोंटिंग की देखरेख में पंजाब फ्रेंचाइजी की मुंबई इंडियंस के साथ बातचीत काफी आगे बढ़ चुकी है।

इस मेगा ट्रेड डील के तहत, भारतीय स्टार तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और विकेटकीपर-बल्लेबाज विष्णु विनोद के मुंबई इंडियंस (रूढ़) में जाने की पूरी संभावना है। अगर यह डील फाइनल होती है, तो अर्शदीप सिंह आईपीएल इतिहास में पहली बार पंजाब किंग्स के अलावा किसी दूसरी फ्रेंचाइजी के लिए खेलते हुए दिखाई देंगे। बता दें कि हार्दिक पांड्या को ट्रेड करने के लिए मुंबई इंडियंस ने केवल पंजाब ही नहीं, बल्कि कम से कम 3 अन्य आईपीएल फ्रेंचाइजी के साथ भी संभावनाएं तलाशी थीं। खबरों की मानें तो पंजाब किंग्स के अलावा कोलकाता नाइट राइडर्स (चयक्र) ही एकमात्र ऐसी टीम थी, जिसके साथ मुंबई इंडियंस की बातचीत काफी आगे बढ़ी थी।

पंजाब ने अर्शदीप को 18 करोड़ में रखा था बरकरार

गौरतलब है कि पंजाब किंग्स ने आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी से पहले अर्शदीप सिंह को रिलीज कर दिया था। हालांकि, ऑक्शन टेबल पर पंजाब ने च्वाइट टू मैचज (ऋक्षरू) कार्ड का इस्तेमाल करके उन्हें वापस अपनी टीम में शामिल किया। नीलामी के दौरान सनराइजर्स हैदराबाद (स्क्रा) ने अर्शदीप के लिए अपनी बोली को 15.75 करोड़ रुपये से बढ़ाकर सीधे 18 करोड़ रुपये कर दिया था, जिसके बाद PBKS ने इसी मैचिंग प्राइस (18 करोड़ रुपये) की पेशकश कर इस धाकड़ बाएं हाथ के तेज गेंदबाज को अपने साथ बरकरार रखा था। हार्दिक पांड्या आईपीएल 2024 से पहले गुजरात टाइटंस से एक पूरी तरह से कैश डील के जरिए मुंबई इंडियंस में वापस लौटे थे। इससे पहले उन्होंने गुजरात टाइटंस के साथ दो बेहद सफल सीजन बिताए थे, जहां 2022 में उन्होंने अपनी कप्तानी में टीम को डेब्यू सीजन में ही खिताब जिताया था। हालांकि, मुंबई इंडियंस के कप्तान के रूप में उनकी वापसी सफल नहीं रही।

सिंधु और चानू समेत 10 खिलाड़ी आईओए एथलीट्स कमीशन में निर्विरोध निर्वाचित

सुधा सिंह और किदांबी श्रीकांत के नाम वापस लेने से मतदान की जरूरत नहीं पड़ी, 7 नवंबर को होगा चेयरमैन और वाइस चेयरमैन का चुनाव

नई दिल्ली। यशभारत। ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और मीराबाई चानू समेत 10 दिग्गज खिलाड़ियों को भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के एथलीट्स कमीशन में निर्विरोध चुन लिया गया है। मंगलवार को रिटर्निंग ऑफिसर संजय के. श्रीवास्तव ने सभी 10 सदस्यों के निर्वाचन की औपचारिक घोषणा की। आयोग में पांच पुरुष और पांच महिला खिलाड़ियों को जगह मिली है। सभी सदस्यों का कार्यकाल 2026 से 2030 तक रहेगा। दो उम्मीदवारों के नाम वापस लेने के कारण 3 नवंबर को प्रस्तावित मतदान रद्द करना पड़ा।

पूर्व एथलीट सुधा सिंह ने सोमवार देर रात अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली थी। इससे पहले बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत भी सोमवार को चुनाव मैदान से हट गए थे। दोनों के हटने के बाद 10 पदों के लिए 10 ही उम्मीदवार शेष रह गए। ऐसे में सभी का निर्विरोध निर्वाचन तय हो गया और मतदान कराने की आवश्यकता नहीं पड़ी।

आईओए के चुनाव नियमों के अनुसार 10 सदस्यीय एथलीट्स कमीशन में छह ऐसे खिलाड़ियों का होना अनिवार्य है, जिन्होंने पिछले तीन ओलंपिक में से कम से कम एक में भारत का प्रतिनिधित्व किया हो। इस श्रेणी में तीन पुरुष और तीन महिला खिलाड़ियों को शामिल किया जाता है। शेष चार सीटें उन खिलाड़ियों के लिए निर्धारित हैं, जिन्होंने पिछले तीन एशियन गेम्स, कॉमनवेल्थ गेम्स, विश्व चैंपियनशिप, विश्व कप या राष्ट्रीय खेलों में कम से कम एक पदक जीता हो। इस श्रेणी में दो पुरुष और दो महिला खिलाड़ियों को जगह दी जाती है। ओलंपिक श्रेणी से पुरुषों में हॉकी खिलाड़ी हरमनप्रीत सिंह, तैराक साजन प्रकाश और एथलेटिक्स खिलाड़ी तजिंदरपाल सिंह तूर चुने गए हैं। महिलाओं में पीवी सिंधु, भारोत्तोलक मीराबाई चानू और तीरंदाज बॉम्बेला देवी को जगह मिली है। वहीं, पदक विजेता श्रेणी से पुरुषों में



निशानेबाज स्वप्निल कुसाले और मंजीत सिंह तथा महिलाओं में हॉकी खिलाड़ी सलीमा टेटे और तलवारबाज भवानी देवी निर्वाचित हुई हैं। एशियाई ओलंपिक परिषद के एथलीट्स कमीशन के दो भारतीय प्रतिनिधि भी आईओए कमीशन के पदेन सदस्य होंगे। इनमें उपाध्यक्ष शिवा केशवन और हाल ही में नियुक्त राजेश्वरी कुमारी शामिल हैं। इस तरह चेयरमैन और वाइस चेयरमैन के चुनाव में कुल 12 सदस्य मतदान करेंगे।

मैरी कॉम के कार्यकाल वाले आयोग के तीन सदस्य फिर चुने गए

आईओए के पूर्व एथलीट्स कमीशन की अध्यक्ष मुक्केबाज मैरी कॉम थीं। उस आयोग में पीवी सिंधु, मीराबाई चानू और भवानी देवी भी सदस्य थीं। तीनों खिलाड़ियों ने एक बार फिर अपनी जगह बरकरार रखी है।

7 नवंबर को होगा नेतृत्व का फैसला

नए चुने गए सदस्य अब एथलीट्स कमीशन के चेयरमैन और वाइस चेयरमैन का चुनाव करेंगे। इन दोनों पदों में एक पुरुष और एक महिला का चुना जाना अनिवार्य है। इसके लिए 4 और 5 नवंबर को नामांकन दाखिल किए जाएंगे, जबकि 6 नवंबर को उम्मीदवारों की अंतिम सूची जारी होगी। 7 नवंबर को वर्चुअल माध्यम से मतदान कराया जाएगा। चेयरमैन पद के लिए केवल ओलंपिक श्रेणी के छह सदस्य ही उम्मीदवार बन सकेंगे। वहीं, पदेन सदस्यों सहित सभी 12 सदस्य मतदान में हिस्सा लेंगे। एशियाई ओलंपिक परिषद के प्रतिनिधि शिवा केशवन और राजेश्वरी कुमारी इन पदों के लिए उम्मीदवार नहीं बन सकेंगे। नियमों के मुताबिक कोई सदस्य चेयरमैन-वाइस चेयरमैन के चुनाव अथवा आईओए की जनरल बॉडी के दो प्रतिनिधियों के चुनाव में से किसी एक के लिए ही उम्मीदवार बन सकता है।

कार्यकारी परिषद में भी मिलेगी अहम भूमिका

एथलीट्स कमीशन के चेयरमैन और वाइस चेयरमैन आईओए की कार्यकारी परिषद के सदस्य भी बनेंगे। इसके अलावा आयोग के दो प्रतिनिधि, एक पुरुष और एक महिला, मतदान के अधिकार के साथ आईओए की जनरल बॉडी में शामिल होंगे। ये दोनों प्रतिनिधि 5 दिसंबर को होने वाले आईओए की कार्यकारी परिषद के चुनाव में भी मतदान करेंगे। हॉकी खिलाड़ी सलीमा टेटे की उम्र फिलहाल 24 वर्ष है। इस कारण वह चेयरमैन या वाइस चेयरमैन पद का चुनाव नहीं लड़ सकतीं, क्योंकि इन पदों के लिए न्यूनतम आयु 25 वर्ष निर्धारित है। हालांकि, जनरल बॉडी के दो प्रतिनिधियों के चुनाव में उम्मीदवार बनने के लिए न्यूनतम आयु 18 वर्ष है। ऐसे में सलीमा इस चुनाव में अपनी दावेदारी पेश कर सकती हैं।

34 हजार की क्षमता और 80 लाख दावेदार, वनडे विश्व कप 2027 में भारत-पाक मैच के टिकटों की मची भारी लूट

मुंबई,यशभारत। आईसीसी वनडे विश्व कप 2027 में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले महामुकाबले के लिए टिकटों की अभूतपूर्व मांग चल रही है। जोहान्सबर्ग के वांडरर्स स्टेडियम में होने वाले इस मैच के लिए 80 लाख से अधिक टिकटों के अनुरोध आए हैं, जबकि स्टेडियम की क्षमता सिर्फ 34,000 सीटों की है। जानें आईसीसी (ढ्ढष्टष्ठ) का क्या कहना है। क्रिकेट जगत की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता यानी भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मैचों का क्रेज किस कदर सिर चढ़कर बोलता है, इसका अंदाजा आगामी वनडे विश्व कप 2027 के टिकटों की मांग से लगाया जा सकता है। जोहान्सबर्ग के वांडरर्स स्टेडियम में होने वाले भारत-पाकिस्तान मैच के लिए अब तक 80 लाख से अधिक प्रशंसकों ने टिकटों की मांग की है, जबकि इस ऐतिहासिक मैदान की दर्शक क्षमता महज 34,000 सीटों की है। ढ्ढष्टष्ठ द्वारा जारी किए गए इन आंकड़ों ने



टिकटिंग इतिहास के पुराने कई रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। दरअसल, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने हाल ही में पुष्टि की है कि भारत-पाकिस्तान मैच के टिकटों के लिए चल रहे बैलेट यानी लॉटरी प्रक्रिया के जरिए कुल 8,397,294 (लगभग 84 लाख) अनुरोध प्राप्त हुए हैं। दिलचस्प बात यह है कि 21 नवंबर को इसी मैदान पर होने वाले विश्व कप फाइनल के लिए अब तक लगभग 79 लाख अनुरोध ही आए हैं। यानी फाइनल मुकाबले से भी ज्यादा क्रेज भारत और पाकिस्तान के लीग मैच को लेकर है। बता दें कि, इस मेगा टूर्नामेंट के लिए आईसीसी की टिकट बैलट प्रक्रिया को दुनिया भर से अभूतपूर्व प्रतिक्रिया मिल रही है। अब तक 193 देशों के प्रशंसकों की ओर से कुल 12 करोड़ से अधिक टिकट अनुरोध प्राप्त हो चुके हैं। इस प्रतियोगिता को लाइव देखने के लिए करीब 28 लाख अलग-अलग क्रिकेट प्रेमियों ने अपनी रुचि दिखाई है।

डब्ल्यूटीए 125 टेनिस टूर्नामेंट आयोजित करने की योजना बना रहा टीएनटीए

चेन्नई (ईएमएस)। तमिलनाडु टेनिस संघ (टीएनटीए) अगले साल से देश में तीन से चार डब्ल्यूटीए 125 टेनिस टूर्नामेंट आयोजित कर सकता है। दिग्गज टेनिस स्टार विजय अमृतराज भी टीएनटीए के इस कदम का समर्थन कर रहे है। उनका कहना है कि चेन्नई ओपन जैसे डब्लूटीए टूर्नामेंट की मेजबानी खोने के बाद किसी न किसी मुकाबले की सख्त जरुरत है। जिससे कि उभरती हुई प्रतिभाओं को कोई मंच मिल सके।

अमृतराज का कहना है कि चेन्नई ओपन को भारत में ही बनाये रखे जाने की जरुरत थी पर डब्ल्यूटीए इसके लिए तैयार नहीं था। इसके पीछे उसने खराब मौसम और फिलीपींस की एलेक्जेंड्रा इला के उभरने को बताया। एलेक्जेंड्रा के विजेता बनने के कारण नियमों के तहत टूर्नामेंट की मेजबानी फिलीपींस को दे दी गयी। अमृताराज ने ये भी माना है कि मौसम ठीक नहीं होने के कारण भारत में चेन्नई ओपन में बेहतर रैंकिंग वाले अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भी नहीं आ रहे थे। इससे भी फिलीपींस का पलड़ा भारी पड़ गया। इला, महिला रैंकिंग में शीर्ष 20 खिलाड़ियों में शामिल हैं.

रंग संसार



अभिनेत्री कनिका मान ने बताई पूर्व प्रेमी की हैवानियत भरी कहानी

मुंबई (यशभारत)। अभिनेत्री कनिका मान ने हाल ही में अपने जीवन के एक दर्दनाक अध्याय को साझा करते हुए अपने पहले रिश्ते के भयावह अनुभवों का खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि किस तरह उनका पूर्व प्रेमी उनके साथ शारीरिक और भावनात्मक रूप से बुरा बर्ताव करता था, जिसने उनकी जिंदगी को नर्क बना दिया था। इस आपबीती ने उन कई महिलाओं की कहानी को सामने लाया है, जो ऐसे रिश्तों में फंसकर हिंसा का शिकार होती हैं। कनिका ने बताया कि कॉलेज के दिनों में जब उनका पहला बॉयफ्रेंड बना, तो वह मानसिक रूप से अस्थिर था और बेहद बुरा बर्ताव करता था। कनिका ने एक डरावनी घटना साझा की, जब उनके पूर्व प्रेमी ने बिना बताए उनकी क्लास में आकर उन्हें केवल धारीदार सूट पहनने की वजह से पूरे कॉरिडोर के सामने इतनी जोर से थप्पड़ मारा कि उनके कानों से खून बहने लगा। उस समय उनके कानों में हाल ही में छेद करवाए गए थे। उन्होंने बताया कि उस वक्त कोई भी उनकी मदद के लिए आगे नहीं आया, जिसने उन्हें और भी अकेला महसूस कराया। यह केवल एक घटना नहीं थी। कनिका ने बताया कि उनका पूर्व प्रेमी उनके हर कदम पर नजर रखता था, उन्हें नियंत्रित करने की कोशिश करता था और उनका फोन छीनकर भीड़ में फेंक देता था। एक बार उसने उनके हॉस्टल के कमरे की चाबियां भी फेंक दी थीं, जिससे वह मुश्किल में पड़ गई।

कृति सेनन ने अंतरराष्ट्रीय फिल्म ऑब्सेशन के हिंदी संस्करण को दी अपनी आवाज

मुंबई (यशभारत)। अभिनेत्री कृति सेनन एक बार फिर अपने एक खास प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा का विषय बन गई हैं। इस बार उन्होंने एक अंतर्राष्ट्रीय फिल्म, ऑब्सेशन के हिंदी संस्करण के लिए अपनी आवाज दी है, जिसके लिए वह बेहद उत्साहित हैं। कृति ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर डबिंग सेशन की कुछ तस्वीरें और वीडियो साझा किए हैं, जिनमें उनके साथ फिल्म भेड़िया के निर्देशक अमर कौशिक और उनके को-स्टार वरुण धवन भी नजर आए। इस तिकड़ी की मुलाकात ने फैंस को उनकी पुरानी ऑनस्क्रीन जोड़ी और पर्दे पर उनकी केमिस्ट्री की याद दिला दी।



कृति ने अपने पोस्ट में बताया कि ऑब्सेशन जैसी शानदार फिल्म की सशक्त परफॉर्मेंस को हिंदी में अपनी आवाज देना उनके लिए एक अनूठा और बेहद खास अनुभव रहा। उन्होंने विशेष रूप से फिल्म में इंडेना नवरेटे के अभिनय की जमकर तारीफ की। कृति ने कहा कि डबिंग के दौरान इंडेना की परफॉर्मेंस को देखकर उनके एक बार फिर रोंगटे खड़े हो गए। अभिनेत्री के मुताबिक, यह एक बेहद शानदार फिल्म है जिसमें सभी कलाकारों ने अद्भुत काम किया है। उन्होंने इस प्रतिष्ठित प्रोजेक्ट का एक छोटा-सा हिस्सा बनने पर अपनी खुशी भी व्यक्त की, जो उनके करियर में एक और महत्वपूर्ण पड़ाव जोड़ता है। डबिंग स्टूडियो में वरुण धवन और अमर कौशिक के साथ उनकी मुलाकात भी उनके पोस्ट का एक अहम हिस्सा बनी। कृति ने मजाकिया अंदाज में लिखा कि जब वुल्फपैक को किसी चीज का जुनून चढ़ जाए, तो कुछ ऐसा ही होता है। यह टिप्पणी उनकी हिट फिल्म भेड़िया के संदर्भ में थी, जहां तीनों ने साथ काम किया था। कृति ने दोनों के साथ दोबारा मिलना और काम के सिलसिले में एक साथ समय बिताना यादगार बताया और उनके प्रति अपना स्नेह व्यक्त किया। यह मुलाकात उनके प्रशंसकों के लिए भी एक ट्रीट थी, जो उन्हें फिर से एक साथ देखने का इंतजार कर रहे थे। ऑब्सेशन के हिंदी वर्जन के दो प्रमोशनल वीडियो भी कृति की आवाज में जारी किए जा चुके हैं।





किंग के नए गाने में सुहाना खान की पहली झलक को लेकर अटकलें

मुंबई (यशभारत)। अभिनेता शाहरुख खान की आने वाली फिल्म किंग को लेकर सोशल मीडिया पर जबरदस्त उत्साह बना हुआ है। हाल ही में फिल्म का नया गाना तू मिल जाए जारी किया गया है, जिसने दर्शकों के बीच उत्सुकता और बढ़ा दी है। इस रोमांटिक गाने में शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की शानदार केमिस्ट्री देखने को मिल रही है, जिसे फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। हालांकि, इस गाने के साथ एक और बात सुर्खियों में आ गई है। कई फैंस यह दावा कर रहे हैं कि उन्हें इस गाने में शाहरुख खान की बेटी, सुहाना खान की भी एक झलक देखने को मिली है। इस कथित झलक ने सोशल मीडिया पर चर्चाओं का बाजार गर्म कर दिया है और लोग फिल्म में उनके किरदार को लेकर कयास लगा रहे हैं। यह खास सीन गाने के लगभग दो मिनट बाद आता है, जो देखने में एक एक्शन सीक्वेंस का हिस्सा प्रतीत होता है। इसमें एक लड़की आग की लपटों से घिरे एक घर की तरफ देखती हुई नजर आती है। हालांकि, लड़की का चेहरा स्पष्ट रूप से नहीं दिखता, लेकिन फैंस का मानना है कि यह सुहाना खान ही हैं, जिन्होंने शायद फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस छोटी सी झलक ने दर्शकों के बीच कई तरह की अटकलें पैदा कर दी हैं। एक फैन ने कमेंट किया, सुहाना खान? वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा, मुझे लगता है कि किंग के नए गाने में ये सुहाना खान ही हैं। कुछ ने इससे भी आगे बढ़कर सवाल किए, जैसे क्या सुहाना खान किसी चीज का सिर पकड़े हुए हैं?

अमिताभ बच्चन ने गलत खबर पर मीडिया को लताड़ा

मुंबई (यशभारत)। मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने अपने ताजा सोशल मीडिया पोस्ट में मीडिया में छपी एक खबर को लेकर अपनी गहरी नाराजगी व्यक्त की है। अमिताभ ने आरोप लगाया है कि उनके शब्दों को मीडिया प्रचार के लिए गलत संदर्भ में पेश कर रहा है। इतना ही नहीं, सदी के महानायक ने इसके लिए मीडिया को कड़ी चेतावनी भी दी है। दरअसल, मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने हाल ही में एक पोस्ट साझा किया था, जिसमें उन्होंने भगवान कृष्ण के लिए अक्सर इस्तेमाल होने वाली पारंपरिक पंक्ति, हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की से जुड़ा एक भावुक संदेश और ब्लॉग लिखा था। अमिताभ का कहना है कि मीडिया ने इन शब्दों को तोड़मरोड़कर प्रस्तुत किया है।

अमिताभ ने स्पष्ट किया कि उनका पोस्ट वास्तव में भगवान कृष्ण के प्रति एक प्रार्थना थी और उनके शब्द न किसी राजनीतिक बयान का हिस्सा थे, न ही किसी विरोधी पर उन्होंने कोई तंज कसा था। उन्होंने कहा कि मीडिया ने ऐसी



खबर छापकर धार्मिक नजरिए से भी गलत किया है और इसे धर्म का निरादर भी बताया है। अपनी पोस्ट में, अमिताभ ने मीडिया में संबंधित खबर की हैडिंग का भी जिक्र किया, जिसमें उनके शब्दों को गलत तरीके से चुनौती के रूप में पेश किया गया था। उन्होंने कहा, और मीडिया उसका निरादर करके, अपना प्रचार करने के लिए, छापता है, देखिए ये अमिताभ अपने विरोधियों को चुनौती दे रहा है, की, ले आओ हाथी घोड़ा हम अपने हथियारों से लड़ेंगे, डरेंगे नहीं ! एक तो घोर निंदा एक जय श्री कृष्ण के उपलक्ष्य में, और दूसरा , शब्दों को पलट कर विरोधियों को चुनौती देने की बात कर रहे है।

अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए, दिग्गज अभिनेता ने मीडिया को एक कड़ा संदेश भी दिया, जिसमें कहा गया कि उनके पांच करोड़ से अधिक फॉलोअर्स हैं और अगर उन्हें केवल एक इशारा भी मिल जाए तो उनमें से दस प्रतिशत भी उनके समर्थन में आ जाएंगे, जिससे स्थिति भारी पड़ सकती है। मेगास्टार ने अपने पोस्ट के जरिए यह भी कहा कि जब किसी सार्वजनिक हस्ती से गलती होती है, तो वे तुरंत माफी मांग लेते हैं और सुधार करने का प्रयास करते हैं, लेकिन जब किसी भी मीडिया की तरफ से गलती होती है, तो उनकी तरफ से कोई माफी नहीं आती है।

आदिवासी वनौषधियों को मिलेगी वैश्विक पहचान

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से आयुर्वेद जगत के दिग्गजों की मुलाकात, संरक्षण और अनुसंधान पर जोर

नालासोपारा, यशभारत। दीपावली के अवसर पर राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ के अध्यक्ष पद्मश्री एवं पद्मभूषण वैद्य देवेंद्र त्रिगुणा के नेतृत्व में आयुर्वेद विशेषज्ञों के प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार सुबह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। इस दौरान आयुर्वेद चिकित्सा, शिक्षा, अनुसंधान और इसके अंतरराष्ट्रीय विस्तार पर चर्चा हुई।



प्रतिनिधिमंडल में आयुष मंत्रालय के सचिव पद्मश्री वैद्य राजेश कोटेचा, अखिल भारतीय आयुर्वेद महासम्मेलन के अध्यक्ष वैद्य राकेश अमरनाथ शर्मा, वैद्य ऋजुता ओमप्रकाश दुबे, पूर्व सलाहकार वैद्य मनोज नेसरी, श्री धूतपापेश्वर लिमिटेड के प्रबंध निदेशक रणजीत आनंद पुराणिक और वैद्य ताराचंद शर्मा सहित अन्य प्रतिष्ठित विशेषज्ञ शामिल थे।

राष्ट्रपति मुर्मू ने सुझाव दिया कि आयुर्वेद विशेषज्ञ जंगलों में जाकर आदिवासी एवं वनवासी समुदायों से संपर्क करें और उनके पारंपरिक औषधीय ज्ञान की प्रमाणिक जानकारी जुटाएं। इन वनौषधियों का संरक्षण, संवर्धन और उत्पादन बढ़ाकर उनका औषधीय उपयोग वैश्विक स्तर पर किया जाना चाहिए। इससे दुनिया को आयुर्वेद का लाभ मिलेगा और आदिवासी समुदायों के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

ब्रिज की छत पर युवक को देख मचा हंगामा

दमकल और आपदा प्रबंधन टीम ने सुरक्षित उतारा

ठाणे, यशभारत। ठाणे रेलवे स्टेशन से सटे सेटिस ब्रिज पर बुधवार सुबह एक युवक के चढ़ जाने से परिसर में हड़कंप मच गया। घटना 4 नवंबर की सुबह करीब 9 बजे की है। ब्रिज की छत पर युवक को बैठे देखकर लोगों ने तत्काल ठाणे नगर पुलिस, दमकल विभाग और आपदा प्रबंधन टीम को सूचना दी। सूचना मिलते ही बचाव दल मौके पर पहुंचा और काफी मशक्कत के बाद युवक को सुरक्षित नीचे उतार लिया। इसके बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। युवक की पहचान श्रीराम इंगले (30) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि युवक मानसिक रूप से अस्वस्थ है।



12 साल बाद रानीबाग में फिर गूंजेगी एशियाई शेरों की दहाड़

चार शेरों के बदले गुजरात को दिए जाएंगे छह कैपुचिन बंदर

मुंबई, यशभारत। मुंबई के भायखला स्थित वीरमाता जीजाबाई भोसले उद्यान एवं चिड़ियाघर यानी रानीबाग में 12 साल बाद एक बार फिर एशियाई शेरों की दहाड़ सुनाई देने की उम्मीद जगी है। मुंबई की महापौर ऋतु तावड़े बुधवार शाम गांधीनगर में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से मुलाकात कर जूनागढ़ के सक्करबाग चिड़ियाघर से दो जोड़ी एशियाई शेर लाने के प्रस्ताव पर अंतिम मंजूरी मांगेंगी।



प्रस्ताव के मुताबिक, दो नर और दो मादा समेत चार शेर मुंबई लाए जाएंगे। इसके बदले रानीबाग प्रशासन तीन नर और तीन मादा सहित छह टफ्टेड कैपुचिन बंदर गुजरात को सौंपेगा। यह आदान-प्रदान केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण के नियमों के तहत किया जाएगा। मई में सक्करबाग चिड़ियाघर इस प्रस्ताव को सैद्धांतिक मंजूरी दे चुका है। बंदरों को अधिकृत एजेंसी के जरिए भारत लाने के बाद सक्करबाग चिड़ियाघर में पृथकवास में रखा जाएगा। गौरतलब है कि रानीबाग में वर्ष 2014 से कोई शेर नहीं है। उस समय 16 वर्षीय अफ्रीकी-एशियाई संकर शेर जिमी की लंबी बीमारी के बाद मौत हो गई थी। इसके बाद शेर लाने की कई कोशिशें नाकाम रहीं। अब गुजरात सरकार की अंतिम मंजूरी मिलने पर मुंबईकरों को 12 साल बाद रानीबाग में शेरों के दीदार का मौका मिल सकेगा।

पातलीपाड़ा ब्रिज पर टैंकर-टेंपो की भीषण भिड़ंत

केमिकल से भरा टैंकर सड़क पर पलटा घंटों जाम से जूझे वाहन चालक

ठाणे, यशभारत। घोड़बंदर रोड पर पातलीपाड़ा ब्रिज की चढ़ाई पर मंगलवार देर रात करीब ढाई बजे टेंपो और केमिकल से भरे टैंकर के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में टेंपो चालक सलीम गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। टक्कर इतनी भीषण थी कि केमिकल से भरा टैंकर सड़क पर पलट गया। इसके चलते घोड़बंदर रोड पर घंटों यातायात बाधित रहा।

आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारी यासीन तड़वी के अनुसार, टेंपो (एमएच 04 एनजे 0307) कलवा से सब्जियां लेकर घोड़बंदर रोड की ओर जा रहा था। पातलीपाड़ा ब्रिज की चढ़ाई के दौरान टेंपो अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गया। इसी बीच पीछे से आ रहे टैंकर (एमएच 43 सीई 9884) ने उसे जोरदार टक्कर मार दी।

टैंकर में जेएनपीटी से गुजरात ले जाया जा रहा 20 हजार लीटर प्रोपाइलहेप्टानॉल केमिकल भरा था। हादसे में स्ट्रीट लाइट का पोल भी टूटकर सड़क पर गिर गया। सूचना मिलते ही आपदा प्रबंधन विभाग और ट्रैफिक पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाने के साथ सड़क पर फैले तेल पर मिट्टी डालकर यातायात बहाल किया गया।

लगातार दूसरे दिन सरकारी दफ्तर में आग

अपर तहसीलदार कार्यालय में मची अफरा-तफरी, दमकल ने पाया काबू

भाईंदर, यशभारत। मीरा-भाईंदर में लगातार दूसरे दिन सरकारी कार्यालय में आग लगने से अग्नि सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। सोमवार को मनपा मुख्यालय के बाद मंगलवार रात करीब 10 बजे भाईंदर (पश्चिम) स्थित अपर तहसीलदार कार्यालय की पहली मंजिल पर आग लग गई। दमकल विभाग ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। कार्यालय बंद होने से कोई कर्मचारी मौजूद नहीं था और जनहानि नहीं हुई।

दमकल अधिकारी प्रकाश बोराडे के अनुसार, आग का कारण स्पष्ट नहीं है। शुरुआती आशंका बिजली के तारों में खराबी की है। राहत की बात यह रही कि आग दस्तावेजों के गोदाम तक नहीं पहुंची और सरकारी रिकॉर्ड सुरक्षित रहे। विधायक नरेंद्र मेहता, महापौर डिंपल मेहता और तहसीलदार नीलेश गौंड ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। गौरतलब है कि एक दिन पहले मनपा मुख्यालय के स्वास्थ्य विभाग में आग से महत्वपूर्ण दस्तावेज जल गए थे। इसके बाद आयुक्त ने सभी सरकारी कार्यालयों की अग्नि सुरक्षा जांच के आदेश दिए थे।

मनपा से आस टूटी तो नगरसेविका ने खुद बिछवाई पाइपलाइन

निजी खर्च से शुरू कराया काम, नागरिकों ने जताया आभार

भिवंडी, यशभारत। गणेशनगर स्थित पोशम्मा मंदिर के पास लंबे समय से चली आ रही जलापूर्ति की समस्या दूर करने के लिए नगरसेविका गीता नाईक ने निजी खर्च से नई पाइपलाइन बिछाने का निर्णय लिया है। बुधवार को वरिष्ठ नगरसेवक निलेश चौधरी के हाथों नारियल फोड़कर कार्य का शुभारंभ किया गया।

क्षेत्र की पुरानी पाइपलाइन के कारण नागरिकों को पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा था। स्थानीय लोगों ने इस समस्या को लेकर नगरसेविका गीता नाईक से शिकायत की थी। नागरिकों की परेशानी को देखते हुए उन्होंने अपने खर्च से नई पाइपलाइन डालने की पहल की। इससे क्षेत्र में जलापूर्ति सुचारु होने और पानी की बर्बादी रुकने की उम्मीद है।

इस पहल पर स्थानीय नागरिकों ने नगरसेविका का आभार जताया। इस अवसर पर नगरसेवक सुमित पाटील, नितेश एंकर, भाजपा ओबीसी सेल अध्यक्ष विठोबा नाईक (बिल्ला), विट्ठल जाधव, राजू इंजामुरी, शैलेश मुसम, सचिन वेलेकर, मिलिंद नागसुरे सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

मांगें पूरी होने तक चलेगा 'पिठला-भाकरी आंदोलन'

वसई, यशभारत। वसई-विरार महानगरपालिका क्षेत्र के कामगारों, फेरीवालों और आदिवासी बस्तियों की लंबित समस्याओं को लेकर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) ने बुधवार से अनिश्चितकालीन 'पिठला-भाकरी आंदोलन' शुरू किया है। सफाई कर्मचारियों के समर्थन में काम बंद आंदोलन की चेतावनी भी दी गई है। भाकपा का आरोप है कि बार-बार ज्ञापन और पत्राचार के बावजूद मनपा प्रशासन ने मांगों पर अमल नहीं किया। आंदोलनकारियों की प्रमुख मांगों में कामगारों को उचित वेतन, बोनस, सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा के अधिकार देना शामिल है। साथ ही फेरीवालों से किए गए वादे पूरे करने की मांग की गई है।

आदिवासी पाड़ों में नल कनेक्शन, नियमित पेयजल, घरपट्टी और 2011 से पहले के अतिक्रमण नियमित करने की प्रक्रिया शुरू करने पर भी जोर दिया गया है। भाकपा के जिला कौशिक सदस्य कॉमरेड शेरू वाघ ने कहा कि सभी मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा। इसके परिणामों की जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

एक हजार के अनुदान पर आशा सेविकाओं का फूटा गुस्सा

काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन, पांच हजार रुपये की मांग



भिवंडी, यशभारत। भिवंडी महानगरपालिका प्रशासन की ओर से आशा स्वयंसेवकों को दिवाली अनुदान के रूप में मात्र एक हजार रुपये देने की घोषणा से उनमें भारी नाराजगी है। बुधवार को 396 आशा स्वयंसेवकों ने मनपा मुख्यालय के प्रवेश द्वार पर माथे पर काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया।

महाराष्ट्र राज्य समूह की संवर्धक एवं आशा स्वयंसेवक संघ की स्थानीय पदाधिकारी अर्चना थोरात, निकिता एनकर, शारदा पवार, बसरीन शेख और रत्ना गुडेलवार के नेतृत्व में यह आंदोलन किया गया।

आशा स्वयंसेवकों का कहना है कि वे घर-घर तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने और राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के प्रति जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इसके बावजूद एक हजार रुपये का अनुदान उनके काम का अपमान है।

अर्चना थोरात ने प्रशासन से दिवाली अनुदान बढ़ाकर पांच हजार रुपये करने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन और तेज किया जाएगा।

कल्याण-उल्हासनगर तक मेट्रो का रास्ता साफ

मेट्रो 5 और 5ए के अगले चरणों के लिए 4,564 करोड़ के टेंडर जारी



कल्याण, यशभारत। कल्याण, भिवंडी, उल्हासनगर और अंबरनाथ के नागरिकों को दिवाली पर मेट्रो की सौगात मिली है। ठाणे-भिवंडी-कल्याण मेट्रो लाइन-5 के अगले चरणों और मेट्रो लाइन-5ए के निर्माण के लिए मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) ने 4,564 करोड़ रुपये के टेंडर जारी किए हैं। इससे दोनों मेट्रो परियोजनाओं के आगे के काम को गति मिलने की उम्मीद है।

कल्याण और उल्हासनगर सहित अंबरनाथ क्षेत्र के नागरिक लंबे समय से मेट्रो सेवा का इंतजार कर रहे हैं। टेंडर जारी होने से इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। परियोजना के तहत भूमिगत और एलिवेटेड दोनों तरह का निर्माण किया जाएगा।

कल्याण लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे इन मेट्रो लाइनों के निर्माण के लिए लगातार प्रयास कर रहे थे। उन्होंने इस संबंध में एमएमआरडीए मुख्यालय में कई बैठकें भी की थीं। उनके प्रयासों के बाद परियोजना के अगले चरणों के लिए टेंडर जारी किए गए हैं।

त्योहारी भीड़ रोकने के लिए छह स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म टिकट बंद

पश्चिम रेलवे का फैसला ,15 नवंबर तक रहेगा लागू



मुंबई, यशभारत। दीपावली और छठ पूजा के दौरान रेलवे स्टेशनों पर उमड़ने वाली भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पश्चिम रेलवे ने सख्त कदम उठाया है। मुंबई सेंट्रल मंडल के छह प्रमुख स्टेशनों पर 15 नवंबर, 2026 तक प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री बंद कर दी गई है। इस फैसले का उद्देश्य प्लेटफॉर्म पर अनावश्यक भीड़ रोकना और यात्रियों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करना है। प्रतिबंध के दायरे में बांद्रा टर्मिनस, वापी, वलसाड, उधना, सूरत और भेस्तान स्टेशन शामिल हैं। त्योहारी सीजन में यात्रियों को छोड़ने और लेने आने वाले लोगों की भारी भीड़ के कारण प्लेटफॉर्म पर अव्यवस्था की आशंका रहती है। इससे रेल परिचालन भी प्रभावित हो सकता है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक के अनुसार, वरिष्ठ नागरिकों, गर्भवती महिलाओं, चिकित्सा संबंधी परेशानी वाले यात्रियों और विशेष सहायता की जरूरत वाले लोगों को प्रतिबंध से छूट दी गई है। रेलवे ने आम नागरिकों से सहयोग की अपील की है।

भिवंडी में दौड़ी मेट्रो, दिसंबर से शुरू होने की उम्मीद

कापूरबावड़ी से धामणकर नाका तक 13.5 किमी का ट्रायल पूरा, जनप्रतिनिधियों को नहीं बुलाने पर नाराजगी

कृष्णगोपाल सिंह, भिवंडी। ठाणे-भिवंडी-कल्याण मेट्रो लाइन-5 के तहत मंगलवार को कपूरबावड़ी से धामणकर नाका तक करीब 13.5 किलोमीटर लंबे मार्ग पर मेट्रो ट्रेन का परीक्षण किया गया। ट्रायल पूरा होने से भिवंडी के नागरिकों में उत्साह है। हालांकि, परीक्षण के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित नहीं किए जाने पर समर्थकों ने नाराजगी जताई।

3 नवंबर को ट्रायल की खबर फैलते ही धामणकर नाका इलाके में लोगों की भीड़ जुट गई। मेट्रो परियोजना के अधिकारियों ने ट्रेन में सफर कर परीक्षण किया। इस मार्ग पर



कपूरबावड़ी, बालकुम, काशेली, काल्हेर, पूर्णा, अंजुरफाटा और धामणकर नाका सहित सात स्टेशन प्रस्तावित हैं।

मेट्रो में छह कोच होंगे। प्रत्येक कोच में 50 यात्रियों की बैठने की क्षमता होगी। इस तरह एक ट्रेन में 300 यात्री बैठ सकेंगे। ट्रेन की लंबाई 136 से 138 मीटर बताई गई है। अधिकारियों ने दिसंबर तक मेट्रो सेवा शुरू होने की उम्मीद जताई है।

स्थानीय नागरिकों का मानना है कि मेट्रो शुरू होने से भिवंडी के यातायात जाम से राहत मिलेगी। वहीं, विधायक महेश चौघुले, विधायक रईस शेख और महापौर नारायण चौधरी को ट्रायल में नहीं बुलाने पर सवाल उठे हैं।

सुप्रिया सुले को केंद्रीय कैबिनेट में मिल सकता है मौका

रामदास आठवले का बड़ा संकेत, एनडीए में शामिल हुईं तो होगा स्वागत

ठाणे, यशभारत। केंद्रीय कैबिनेट का जल्द विस्तार होने की संभावना है और इसमें राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की सांसद सुप्रिया सुले को जगह मिल सकती है। केंद्रीय मंत्री एवं रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले गुट) के अध्यक्ष रामदास आठवले ने मंगलवार को ठाणे में यह संकेत दिया। उन्होंने कहा कि सुप्रिया सुले एनडीए में शामिल होती हैं तो उनका स्वागत होगा।



4 नवंबर को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में आठवले ने राज्य और देश के मौजूदा राजनीतिक घटनाक्रम पर अपनी राय रखी। शरद पवार के एनडीए में शामिल होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि उन्हें इसकी संभावना नहीं लगती। आठवले के मुताबिक, यदि शरद पवार 2019 में एनडीए के साथ आए होते तो वे राष्ट्रपति बन सकते थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शरद पवार के बीच अच्छे संबंध हैं। अजीत पवार ने भी शरद पवार से एनडीए में शामिल होने की अपील की थी, लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया।

सुप्रिया सुले के प्रति सकारात्मक रुख दिखाते हुए आठवले ने आगामी केंद्रीय कैबिनेट विस्तार में उन्हें मौका मिलने की संभावना जताई।

ईवीएम और बैलेट पेपर से चुनाव कराने के मुद्दे पर उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी को बैलेट पेपर से चुनाव कराने पर कोई आपत्ति नहीं है। इस अवसर पर आरपीआई के जिला अध्यक्ष अन्नासाहेब रोकड़े, शहर अध्यक्ष भास्कर वाघमारे और महिला महासचिव कविता भोसले सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

एपीएमसी दाना मार्केट में बोरियों का कहर

चावल की बोरियों के नीचे दबकर हमाल की दर्दनाक मौत



नवी मुंबई, यशभारत। वाशी स्थित एपीएमसी दाना मार्केट में कामगारों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। मंगलवार 3 नवंबर की शाम चावल की भारी बोरियों की ऊंची थप्पी अचानक गिरने से उसके नीचे दबकर 37 वर्षीय हमाल रामराज लौटु की मौत हो गई। हादसे से बाजार परिसर में हड़कंप मच गया।

रामराज लौटु तुर्भे स्टोर्स में रहते थे और मूल रूप से उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले के आनंदगढ़ के निवासी थे। वह दाना मार्केट स्थित श्रीराम कल्याणजी एग्रो (एम/3) दुकान में हमाली करते थे। मंगलवार शाम काम के दौरान चावल की बोरियों का ढेर अचानक उनके ऊपर गिर पड़ा। साथी मजदूरों ने बोरियां हटाकर उन्हें बाहर निकाला और वाशी के पी.के.सी. अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, शाम 5:36 बजे डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक के भाई राजकुमार लौटु की शिकायत पर एपीएमसी पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया है। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक आबासाहेब पाटील, पुलिस निरीक्षक महेश मांडवे और सहायक पुलिस निरीक्षक सुनील मोहिते ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। फॉरेंसिक टीम ने भी पंचनामा किया। मामले की जांच एपीआई सुनील मोहिते कर रहे हैं।

दिवाली पर महिला हवलदार का छलका दर्द

आत्महत्या की चेतावनी वाला वीडियो वायरल, तीन साल से फ्रीज खाते में फंसे 1.47 लाख रुपए

नवी मुंबई, यशभारत। दिवाली के मौके पर नवी मुंबई पुलिस विभाग की एक महिला हवलदार का दर्द सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के जरिए सामने आया है। आत्महत्या की चेतावनी देने वाले इस वीडियो से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। महिला हवलदार ने विभाग की लेखा शाखा पर लापरवाही और मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है।

महिला हवलदार सुचेता सुधाकर शिरोडकर के अनुसार, एचडीएफसी बैंक में उनका वेतन खाता पिछले तीन वर्षों से फ्रीज है। इसकी जानकारी बार-बार विभाग को देने के बावजूद इसी



खाते में पीएफ, सरेंडर बिल और दिवाली एडवांस की रकम जमा कराई जाती रही।

उनका दावा है कि पिछले तीन वर्षों में इस खाते में कुल 1,47,991 रुपये जमा हुए हैं, लेकिन खाता फ्रीज होने के कारण वह अपनी ही रकम का इस्तेमाल नहीं कर पा रही हैं। इससे उन्हें आर्थिक परेशानी के साथ मानसिक तनाव भी झेलना पड़ रहा है। शिरोडकर करीब 26 वर्षों तक नवी मुंबई पुलिस में सेवा देने की बात कहती हैं। फिलहाल उनकी नियुक्ति बेलापुर स्थित मनपा अतिक्रमण विभाग में है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई तथा मामला दर्ज करने की मांग की है।

फिलहाल, आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस प्रशासन का पक्ष सामने आने के बाद स्थिति स्पष्ट होगी। वीडियो में आत्महत्या की चेतावनी को देखते हुए महिला हवलदार की सुरक्षा और शिकायत पर तत्काल ध्यान देना जरूरी है।

न्यूयॉर्क से मुंबई पहुंचा नशे का जखीरा

बाथरूम के शीशे के फ्रेम में छिपाकर भेजी गई 7.85 किलो चरस, डीआरआई ने एक आरोपी को दबोचा

मुंबई, यशभारत। अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स तस्करों ने चरस की खेप मुंबई पहुंचाने के लिए अनोखा तरीका अपनाया। न्यूयॉर्क से बाथरूम का शीशा बताकर भेजे गए कूरियर पार्सल के लकड़ी के फ्रेम में 7.85 किलोग्राम चरस छिपाकर लाई गई थी। डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) की मुंबई जोनल यूनिट ने इस तस्करी का पर्दाफाश करते हुए पार्सल प्राप्तकर्ता को गिरफ्तार किया है।



खुफिया जानकारी के आधार पर डीआरआई अधिकारियों ने मुंबई इंटरनेशनल कूरियर टर्मिनल पर संदिग्ध पार्सल की जांच की। दस्तावेजों में इसे बाथरूम की दीवार पर लगाने वाला फ्रेमयुक्त शीशा बताया गया था। संदेह होने पर अधिकारियों ने लकड़ी का फ्रेम खोला तो उसके भीतर आठ पैकेट मिले। इनमें चरस के कुल 169 छोटे पैकेट छिपाए गए थे।

एनडीपीएस फील्ड टेस्टिंग किट से जांच में पदार्थ के चरस होने की पुष्टि हुई। इसका कुल वजन 7.85 किलोग्राम पाया गया। डीआरआई ने एनडीपीएस अधिनियम, 1985 के तहत चरस जब्त कर ली। जांच के बाद पार्सल प्राप्तकर्ता को 2 नवंबर 2026 को गिरफ्तार किया गया। एजेंसी अब इस नेटवर्क के अन्य सदस्यों और अंतरराष्ट्रीय संपर्कों का पता लगाने में जुटी है।

स्वामी,मुद्रक, प्रकाशक आशीष कुमार शुक्ला द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस यूनिट न.04 ग्राऊंड फ्लोर एन.के. इंडस्ट्रियल गोरेगांव (E) मुम्बई से मुद्रित एवं 616/डी विंग फ्लोरल डेक प्लाजा परिसर सीएचएसएल, सेंट्रल एमआईडीसी रोड के सामने, अंधेरी ईस्ट मुंबई 400093 से प्रकाशित संपादक आशीष कुमार शुक्ला,स्थानीय संपादक विल्फ्रेड डिसूजा* महाप्रबंधक अरुणा राजेंद्र जैन,आर.एन. आई. नं. MHHIN/25/1223/A1161 समाचार चयन के लिये पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार* Email ID- mumbaiyashbharat@gmail.com फोन- 8767063789, 9967216271 (न्यायालय क्षेत्र अधिकार मुम्बई महाराष्ट्र)